सेंसेक्स	~	81,148.22
निफ्टी	~	24,578.35
सोना	~	88,550
चांदी	~	97900
डॉलर	~	85.20

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरुवार 15 मई 2025
ज्येष्ठ कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 229
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

यूपीएससी के नए चेयरमैन बने अजय कुमार

नई दिल्ली। यूपीएससी यानी यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन ने पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। वो अक्टूबर 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। मंगलवार, 14 मई को इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया। इनसे पहले प्रीति सूदन यूपीएससी की चेयरमैन थीं, जिनका कार्यकाल 29 अप्रैल को खत्म हुआ है। अजय कुमार ने आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। इसके बाद अप्लाइड इकोनॉमिक्स से मास्टर्स किया और यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, यूएसए से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में पीएसडी की। भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियर्स एकेडमी के फेलो भी रह चुके हैं।

शिरडी साईं संस्थान के पास है 514 किलो सोना

शिरडी। शिरडी साईं बाबा संस्थान को देश के सबसे अमीर धार्मिक संस्थानों में से एक माना जाता है, क्योंकि यहां साईं बाबा के चरणों में अटूट श्रद्धा से दान करने वाले भक्त पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। शिरडी के साईं संस्थान को हर साल करोड़ों रुपए का दान मिलता है। इसमें नकदी और कीमती आभूषण शामिल हैं। ज्ञात हो कि हाल ही में दुबई से आए एक भक्त ने मंदिर को 270 ग्राम सोना ओम साईं राम चढ़ाया है। शिरडी साईं संस्थान को मिला यह सोना न सिर्फ मंदिर के लिए धन है, बल्कि भक्तों की आस्था और समर्पण का प्रतीक भी है। इस बीच संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि संस्थान के पास फिलहाल 514 किलो सोना है। उन्होंने बताया कि इस 514 किलो सोने में से आधे का इस्तेमाल दैनिक पूजा, सिंहासन, मुकुट और हार के लिए किया जाता है। बाकी सोना मंदिर परिसर में बने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है।

मुंबई में 6 करोड़ रुपये से अधिक का ड्रग्स जब्त

मुंबई। मुंबई के गोवंडी इलाके में शिवाजी नगर पुलिस ने एक घर से 6 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त की है और वहां रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद मंगलवार रात पुलिस ने शेख के घर पर छापा मारा और वहां से ड्रग्स जब्त किया। इसके बाद पुलिस ने वहां रह रहे 23 वर्षीय आरोपी सलमान शेख को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान 6 करोड़ रुपये की 3 किलोग्राम मेफेड्रोन एमडी ड्रग्स, 2.40 लाख रुपये का 12 किलोग्राम गांजा, 18 हजार रुपये की कोडीन फॉस्फेट (कोरेक्स) की 36 बोतलें और 1.30 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। आरोपी शेख को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसने ड्रग्स कहां से प्राप्त किया।

मणिपुर में 12 मिलिटेंट्स, 3 आर्म्स डीलर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के कई जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 12 मिलिटेंट्स को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तारियां मंगलवार को की गईं। इनमें प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के चार, कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के दो और कांगली यावोल कन्ना लूप के एक सदस्य को टेंग्नौपाल जिले के योंगखुल गांव के पास से गिरफ्तार किया गया।

भारत के खिलाफ ड्रोन ऑपरेट कर रहे थे टर्किश सैनिक

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान की खूब मदद की

नई दिल्ली।भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चली लड़ाई में पाकिस्तान ने भारी मात्रा में तुर्की के दिए ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अब इस संबंध में नई जानकारी सामने आई है जिसके मुताबिक, दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार अलग-अलग हमलों में कुल 350 से अधिक टर्किश ड्रोन्स का इस्तेमाल हुआ। एक सूत्र के मुताबिक, पाकिस्तान में मौजूद तुर्की के सैन्यकर्मी भारत के खिलाफ ड्रोन हमलों में शामिल थे। सूत्र ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पर ड्रोन हमले करने में तुर्की के सलाहकारों ने पाकिस्तानी सेना की मदद की थी। सूत्र ने यह भी बताया कि भारत की जवाबी कार्रवाई में तुर्किये के दो ड्रोन ऑपरेटर भी मारे गए हैं।

पाकिस्तान ने कथित तौर पर भारत के खिलाफ टीबी2 ड्रोन्स और वायआईएचए ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। माना जाता है कि इन ड्रोनों का इस्तेमाल लक्ष्य निर्धारण और खुद को नष्ट कर दुश्मन को नुकसान पहुंचाने के लिए जाता है।

पाकिस्तानी आतंकियों को एर्दोगन की श्रद्धांजलि

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन भी पूरे तनाव के दौरान पाकिस्तान के साथ खड़े दिखे। भारत के एयरस्ट्राइक में पाकिस्तानी आतंकियों की मौत की खबर आने के बाद सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था कि हम इस बात को लेकर फिक्रमंद हैं कि पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव मिसाइल हमलों के कारण व्यापक संघर्ष में बदल सकता है, जिसके कारण बड़ी संख्या में नागरिक शहीद हो सकते हैं। मैं हमलों में अपनी जान गंवाने वाले हमारे भाइयों के लिए अल्लाह से रहम की प्रार्थना करता हूं, और मैं एक बार फिर पाकिस्तान के भाई जैसे लोगों और पाकिस्तान के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। एर्दोगन ने बताया कि इस तनाव के बीच उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बात की है।

तुर्की ने हर तरीके से की मदद

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया जिसमें 26 लोग मारे गए और 17 से ज्यादा घायल हुए। इस हमले के दो आतंकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए जिसमें 1960 का सिंधु जल समझौता रद्द करना भी शामिल था। 7 मई की रात भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में स्थित 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए एयरस्ट्राइक किया जिसमें कम से कम 100 आतंकी मारे गए। आतंकियों के मारे जाने के जवाब में पाकिस्तान ने भारत के सैन्य और रिहायशी ठिकानों को निशाना बनाया जिससे दोनों देशों के बीच लड़ाई शुरू हो गई।

लड़ाई चार दिनों तक चली जिसमें तुर्किये ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। भारत सरकार ने बीते शुक्रवार को कहा कि गुरुवार रात पाकिस्तान ने जिन ड्रोन्स से भारत के उत्तरी और पश्चिमी मोर्चों पर हमला करने की कोशिश की, उनके मलबे की शुरुआती जांच से पता चलता है ड्रोन तुर्किए मूल के सोंगर सशस्त्र ड्रोन सिस्टम के हैं। विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर सियाचिन से सर क्रीक तक 36 जगहों पर लगभग 300-400 ड्रोनों के साथ हमले की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है और प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि ड्रोन्स तुर्किए से आए एसिसगार्ड कंपनी के सोंगर ड्रोन हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच सीधी लड़ाई शुरू होने से पहले तुर्किये नौसेना का एक युद्धपोत कराची बंदरगाह पर पहुंचा था। युद्धपोत के कराची पहुंचने से पहले तुर्किये के सी-130 एयरक्राफ्ट ने कराची में लैंड किया था। पाकिस्तान की मीडिया में दावा किया गया कि एयरक्राफ्ट में लड़ाकू हथियार हैं। लेकिन तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने उन दावों को खारिज करते हुए कहा कि एयरक्राफ्ट ईंधन भरने के लिए कराची में उतरा था न कि उससे पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई की गई।

मप्र के मंत्री विजय शाह पर एफआईआर के निर्देश

हाईकोर्ट ने डीजीपी से कार्रवाई करने को कहा; कर्नल सोफिया को बताया था आतंकियों की बहन

भोपाल। मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए बयान पर मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने एमपी के डीजीपी को विजय शाह पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इस बारे में कोर्ट का विस्तृत आदेश अभी सामने नहीं आया है। बता दें कि विजय शाह का एक वीडियो सामने आया था। जिसमें उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। उनके इस बयान के बाद देशभर में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहा है। शाह रविवार को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

मंत्री विजय शाह ने क्या कहा था

उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते। इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर बदला ले सकते हैं। विजय शाह बोले- मोदी जी ने कहा था कि घर में घुसकर मारूंगा। जमीन के अंदर कर दूंगा। आतंकवादी तीन मंजिला घर में बैठे थे। बड़े बम से छत उड़ाई, फिर बीच की छत उड़ाई और अंदर जाकर उनके परिवार की ऐसी की तैसी कर दी। यह 56 इंच का सीना वाला ही कर सकता है।

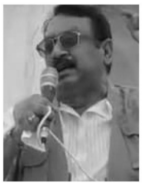

कांग्रेस की मांग, शाह को पार्टी से निकाले भाजपा

मंत्री विजय शाह के बयान पर हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान और एफआईआर के निर्देश देने के बाद कांग्रेस ने विजय शाह पर केस दर्ज करने की मांग की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा है कि विजय शाह को भाजपा से भी तत्काल प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

52वें सीजेआई बने जस्टिस बीआर गवई

नई दिल्ली। 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती की एक स्लम बस्ती में जन्में जस्टिस बीआर गवई (भूषण रामकृष्ण गवई) ने बुधवार को भारत के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। भूषण ने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया और मेहनत से आज इस ऊंचे पद तक पहुंचे हैं। सीजेआई ने एक साधारण स्कूल में पढ़ाई की और हमेशा जरूरतमंदों की मदद करते रहे हैं, चाहे वह आर्थिक सहायता हो या इलाज का खर्च। उन्होंने 1985 में कानूनी करियर शुरू किया। 1987 में बॉम्बे हाईकोर्ट में स्वतंत्र प्रैक्टिस शुरू की। इससे पहले उन्होंने पूर्व एडवोकेट जनरल और हाईकोर्ट जज स्वर्गीय राजा एस भोंसले के साथ काम किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जस्टिस गवई को सीजेआई पद की शपथ

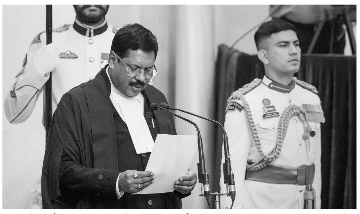

दिलाई। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो चुका है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम था। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का है। सीजेआई गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध चीफ जस्टिस हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक, जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, समलैंगिक पुरुषों और यौनकर्मियों आदि के रक्तदान पर प्रतिबंध को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई

नई दिल्ली। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों, समलैंगिक पुरुषों और यौनकर्मियों आदि द्वारा रक्तदान पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि क्या हम सभी ट्रांसजेंडर को जोखिम भरा कहने जा रहे हैं? जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि इस मुद्दे पर विशेषज्ञ ही उचित सलाह दे सकते हैं।

जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह ने चिंता व्यक्त करते हुए पूछा कि क्या यह दृष्टिकोण अप्रत्यक्ष रूप से इन समुदायों को कलंकित नहीं करता है? जब तक आप कुछ चिकित्सा साक्ष्य के साथ यह नहीं दिखाते कि ट्रांसजेंडर और इन बीमारियों के बीच किसी तरह का संबंध है तब तक आप यह नहीं कह सकते कि सभी ट्रांसजेंडर इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं। यहां तक ??कि कई बार सामान्य व्यक्ति भी इसमें शामिल होते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि

यह ऐसा विषय है, जिस पर केवल विशेषज्ञ ही समुचित टिप्पणी या सलाह दे सकते हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ने एएसजी ऐश्वर्या भाटी से कहा कि इस विषय पर कृपया विशेषज्ञों से बात करें ताकि एक समुदाय के रूप में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कलंकित न किया जाए। साथ ही सभी चिकित्सा सावधानियां भी बहाल रह सकें। केंद्र की ओर से पेश एएसजी भाटी ने शीर्ष अदालत को बताया कि इसे व्यक्तिगत नागरिक अधिकारों के नजरिए से नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह डॉक्टरों द्वारा जोखिम व्यवहार्यता के आधार पर लिया गया निर्णय है। उसमें राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद नेशनल काउंसिल ऑफ क्ल्यश्थश्स्त्र ह्ल्ड्डुठ्ठ्ल्यद्वह्ल्यद्वश्ठ के विशेषज्ञ डॉक्टर भी शामिल हैं। कोई यह नहीं कह सकता कि मुझे रक्तदान करने का अधिकार है। ऐसा कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि रक्त बैंकों को दान किया गया रक्त सभी को उपलब्ध कराया जाता है। याचिकाकर्ताओं ने यूरोपीय देशों का उदाहरण दिया जहां ये समूह उच्च जोखिम वाले समूहों के रूप में मौजूद नहीं हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मान लीजिए रक्त की जरूरत वाले व्यक्ति को जोखिम के बारे में सूचित किया जाए उसके बाद भी वे रक्त चाहें तो। एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि एक व्यक्ति से सीधे दूसरे व्यक्ति को खून देने लेने के स्तर पर कोई कठिनाई नहीं है। वो तो वृहत परिवार के सदस्य हैं, लेकिन जो रक्त बैंक में जाएगा और वहां से किसी को मिलेगा समस्या उस अनजान खून से है।

ट्रंप के दावे पर कांग्रेस का पीएम मोदी पर तंज...अमेरिकी पापा ने वॉर रुकवा दी क्या?

भारत सरकार ने इन दावों का किया है खंडन

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि अमेरिका ने दोनों देशों के बीच परमाणु जंग रुकवा दी है। भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों का कई बार खंडन किया है। अब विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने ट्रंप के इन बयानों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। कांग्रेस ने पीएम मोदी को लेकर बीजेपी के विज्ञापन की प्रमुख टैगलाइन का इस्तेमाल कर सवाल उठाए हैं कि क्या ट्रंप ने सचमुच जंग रुकवा दी है।

कांग्रेस राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अमेरिका के दावों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, कुछ दिन पहले हमें ट्रंप से पाकिस्तान के साथ युद्धविराम के बारे में पता चला। मंगलवार को सऊदी अरब में सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि उन्होंने प्रतिबंधों और व्यापार सौदों का लालच देकर भारत को युद्धविराम के लिए मजबूर किया। उन्होंने लिखा, आम तौर पर बातूनी प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री का खुलासे के बारे में क्या कहना है? क्या उन्होंने अमेरिकी दबाव के सामने भारत के सुरक्षा हितों को गिरवी रख दिया? उन्होंने लिखा, अमेरिकी पापा ने वॉर रुकवा दी क्या?

दरअसल ट्रंप ने फिर भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर पर बेतुका बयान दिया हैं। ट्रंप ने सऊदी-अमेरिका निवेश फोरम 2025 में कहा, कुछ ही दिन पहले हमने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए ऐतिहासिक युद्धविराम करवाया था और मैंने इसके लिए काफी हद तक व्यापार का इस्तेमाल किया था। ट्रंप ने कहा, हम एक सौदा करते हैं। हमें परमाणु मिसाइलों का व्यापार नहीं करना चाहिए। हमें उन चीजों का व्यापार करना चाहिए जो आप इतनी खूबसूरती से बनाते हैं। दोनों के पास शक्तिशाली, चतुर नेता हैं। यह सब रुक गया। मुझे उम्मीद है कि यह इसी तरह बना रहेगा।

हालांकि भारत ने बीते दिनों यह स्पष्ट किया है कि सीजफायर को लेकर अमेरिका से व्यापार पर कोई चर्चा नहीं हुई है। भारत की ओर से सीजफायर की पुष्टि करते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने यह जानकारी दी थी कि पाकिस्तान ने इस सीजफायर के लिए भारत से गुहार लगाई थी।

बंगाल की खाड़ी पहुंचा मानसून, 27 मई को केरल पहुंचेगा

बिहार-छत्तीसगढ़ समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून बुधवार को बंगाल की खाड़ी पहुंच गया। यह 27 मई को केरल में दस्तक देगा। मौसम विभाग ने बिहार-छत्तीसगढ़ समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। गुजरात, असम समेत 9 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं, झारखंड और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर गर्मी बढ़ सकती है और यहां उमस की संभावना है।

राजस्थान के 11 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को दोपहर बाद अलवर, भरतपुर, जयपुर समेत कई

शहरों में बारिश हुई। वहीं, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। मानसून ने मंगलवार को निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दी थी। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मानसून इस साल नौ दिन पहले आया है। मौसम विभाग ने कहा कि अंडमान सागर के ऊपर चक्रवात जैसी स्थिति बन रही है। इससे 16 से 22 मई के बीच कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है, जो 23 से 28 मई के बीच साइक्लोन शक्ति का रूप ले सकता है। अगर यह साइक्लोन बनता है, तो 24 से 26 मई के बीच ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों पर असर डाल सकता है।

विनोद कुमार उपाध्याय, 14

चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदले, भारत ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अविभाज्य हिस्सा

नई दिल्ली । चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदले हैं, जिस पर भारत की ओर से आपत्ति जताई गई है। भारत ने कहा कि नए नाम गढ़ने से यह सच्चाई नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा, हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखा है। हमारी सैद्धांतिक स्थिति के अनुरूप हम ऐसी कोशिशों को पूरी

तरह खारिज करते हैं। नए नाम गढ़ने से यह सच्चाई नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा।卐

चीन ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने का निर्णय ऐसे समय में किया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ दिनों तक चले तनाव के बाद युद्धविराम की घोषणा की गई थी। चीन, भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल

अगर महिलाएं राफेल उड़ा सकती हैं तो सेना की कानूनी शाखा में क्यों नहीं जा सकतीं?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि अगर महिलाएं भारतीय वायुसेना में राफेल लड़ाकू विमान उड़ा सकती हैं तो फिर वे सेना की कानूनी शाखा में शीर्ष पदों पर क्यों नियुक्त नहीं हो सकतीं? सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने 8 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है और केंद्र सरकार के जवाब के बाद पीठ अपना फैसला सुना सकती है। पीठ ने दो महिला अधिकारियों अर्शनूर कौर और आस्था त्यागी की याचिका पर फैसला सुरक्षित करते हुए यह टिप्पणी की।

पीठ ने दिए नियुक्ति करने के निर्देश

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि जज एडवोकेट जनरल की परीक्षा में उनकी चौथी और पांचवीं रैंक आई थी, इसके बावजूद उनसे कम रैंकिंग वाले पुरुष अधिकारियों की नियुक्ति की गई। याचिका में कहा गया है कि विभाग में सिर्फ छह पद निकले थे, जिनमें से महिलाओं के लिए तीन ही रिक्तियां थीं। सुनवाई के बाद जस्टिस दत्ता ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एश्वर्या भाटी से पूछा कि अगर भारतीय वायुसेना में महिलाएं लड़ाकू विमान राफेल उड़ा सकती हैं तो फिर सेना की जज एडवोकेट जनरल पदों पर ज्यादा महिलाओं को शामिल करना क्यों मुश्किल है? इसके साथ ही पीठ ने याचिकाकर्ता अर्शनूर कौर को सेना की कानूनी शाखा में शामिल करने का निर्देश दिया। वहीं दूसरी याचिकाकर्ता आस्था त्यागी ने भारतीय नौसेना ज्वाइन कर ली है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने केंद्र से सवाल किया कि उन्होंने महिलाओं के लिए कम पद निर्धारित किए हैं, जबकि दावा किया गया है कि ये पद लैंगिक रूप से तटस्थ हैं।

एश्वर्या भाटी ने केंद्र सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वर्ष 2012 से 2023 तक 70:30 (या अब 50:50) के अनुपात में पुरुष और महिला अधिकारियों की भर्ती की नीति को भेदभावपूर्ण और मौलिक अधिकारों का हनन करने वाला कहना न केवल गलत होगा, बल्कि कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का भी उल्लंघन होगा, जो भारतीय सेना में पुरुष और महिला अधिकारियों की भर्ती का निर्णय लेने के लिए एकमात्र सक्षम और एकमात्र प्राधिकारी है।

कलेक्टर द्वारा स्कूलों की कराई गई जांच रंग लायी, अब तक 221 अभिभावकों को 2 लाख 59 हजार रुपये किये वापस

स्कूलों की जांच और अधिक ली गई राशि वापसी की प्रक्रिया जारी, बालाघाट में आपदा प्रबंधन के कार्यो को नया आयाम दिया जाएगा, समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने दिए निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गत माह जिले की 10 स्कूलों में निर्धारित किताबों के अलावा अन्य पुस्तकों से अध्ययन कराने के लिए अभिभावकों पर अन्य प्रकाशकों की बुक्स खरीदने का मामला सामने आया था। कलेक्टर मृणाल मीना ने इसकी विस्तृत जांच करने के आदेश के बाद ली गई अधिक राशि वापस कराने के लिए तहसीलदारों की टीम गठित की गई। बुधवार को आयोजित हुई टीएल बैठक में उन्होंने जांच के सम्बंध में समीक्षा की। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय ने बताया कि जांच के बाद अब तक 221 अभिभावकों को 2 लाख 59 हजार 844 रुपये वापस कराए गए है। टीएल बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने आपदा प्रबंधन में भारत शासन की गाइड लाइन के मुताबिक हर कार्य को व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए है। इसमें 12 सेवाओं के लिए विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही टीवी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए है कि ?ूड बास्केट के लिए जिला स्तर के अधिकारियों के अलावा ब्लॉक स्तर तक के अधिकारी ?ूड बास्केट डोनेट करने के लिए आगे आये। बैठक में ही कई अधिकारियों ने राशि डोनेट की। वहीं समीक्षा बैठक के दौरान पेंशन योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा पात्र नागरिकों को लाभ देने के लिए ला?ली बहना और पीएम किसान सम्मान निधि के नागरिकों के लिए भी शिविर आयोजित कराने के संबंध में निर्देश दिए हैं। इसकी विस्तृत रूपरेखा बनाई जाएगी।

पाठशाला स्कूल बालाघाट ने की वापस की सबसे अधिक राशि

निर्धारित किताबों के अलावा अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें स्कूलों में प्रचलित कराने के मामलें में बड़ी संख्या में अभिभावकों को राशि वापस कराई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि पाठशाला स्कूल बालाघाट द्वारा 60 छात्रों/अभिभावकों को 1 लाख 17 हजार रुपये की राशि वापस की गई है। इसके अलावा जॉनसन किड्स स्कूल बूढ़ी ने 38 छात्रों को 50 हजार रुपये, सतपुड़ा वेली पब्लिक स्कूल ने 60 छात्रों को 44574 रुपये,ओजस स्कूल बालाघाट ने 40 विद्यार्थियों को 26 हजार रुपये, ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल ने 13 विद्यार्थियों को 16 हजार और कटंगी में कटेडरा की ट्यूलिप स्कूल ने 10 छात्रों को 6270 रुपये अब तक वापस किये गए है। अभी भी इस सम्बंध में जांच जारी है। कलेक्टर श्री मीना ने इस मामलें में निर्देश दिए है कि जो स्कूल राशि वापस नही कर रहें है, उन पर निर्धारित नियमानुसार 2 लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जाए। कलेक्टर श्री मीना के 22 अप्रैल को दिए आदेशानुसार मप्र निजी विद्यालय (फीस तथा अन्य सम्बंधित विषयों का विनियम) अधिनियम-2017 की धारा-6 व 9 तथा अधिनियम 2020 के नियम 6 (1) (घ) के अनुसार छात्र या अभिभावकों को पुस्तकें एवं अन्य सामग्री केवल चयनित विक्रेताओं से क्रय करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। इसके बाद विस्तृत जांच प्रारम्भ हुई। जांच में आयी अनियमितता के बाद कलेक्टर श्री मीना के निर्देशों पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। तीन दिनों के भीतर एनसीईआरटी द्वारा उपलब्ध कराई गई पुस्तकों के मूल्य को आधार मानकर पालकों व छात्रों से लिया गया अधिक मूल्य की राशि वापस करने का नोटिस जारी किये गए थे।

आपदा प्रबंधन के लिए 12 सेवाओं का विस्तृत प्रशिक्षण और कलेक्टर से लेकर कोटवार तक बनेंगे वोलेंटियर

आपदा प्रबंधन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने होमगार्ड कमांडेंट श्रीमती रजनी खटीक को निर्देश दिए है कि भारत सरकार द्वारा चिन्हित 12 सेवाओं के नोडल अधिकारियों सहित अन्य को विस्तृत रूप से प्रशिक्षित किया जाए। इसके अलावा हर पंचायत से 5-5 वोलेंटियर के अलावा स्वयं उनको और कोटवार तक के राजस्व अमले को वोलेंटियर के रूप में चिन्हित करें। 12 सेवाएं ये होगी संचार सेवा, दुर्घटना, मुख्यालय, वार्डन, फॉयर, ट्रेनिंग, आपूर्ति व अन्य सेवाओं में प्रशिक्षण दिया जाना है।

14 तालाब, 36 प्याऊ,14 बाग, 165 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग में काम हुए

जल गंगा संवर्धन अभियान का अब आधा समय हो चुका है।30 मार्च से प्रारम्भ हुए अभियान में अब तक नगरीय निकायों में 14 तालाबों का जीर्णोद्धार, 14 बगीचे, 36 प्याऊ लगाने के कार्य हुए है। वहीं 165 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के कार्य भी हुए है। बैठक में समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने पीआईयू और मप्र हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्माणाधीन कार्यो में अनिवार्य रूप से हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने को कहा है। वहीं अतिक्रमण हटाने के मामलें में भी जानकारी ली गई। इसके अलावा ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य किये जा रहें है।

जिले में टीबी की वर्तमान स्थिति का अध्ययन कर भेजी जाएगी रिपोर्ट

टीबी मुक्त भारत अभियान में जिले के ऐसे क्षेत्र ढूंढे जाएंगे जहां ज्यादा संख्या में टीबी के मरीज है। इसके लिए विस्तृत अध्ययन कर एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट 22 मई तक माइक्रो प्लान बनाकर भोपाल भेजी जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने इस अभियान के तहत हर अधिकारी को 300 और 500 रुपये के फूड बास्केट डोनेट करने का आव्हान किया है।

जीवन ज्योति, सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन के आवेदन भरवाने के लिए लगेंगे शिविर

जिले में जीवन ज्योति बीमा योजना, सामाजिक सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन योजना का लाभ दिलाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विस्तृत रूपरेखा पर काम किया जा रहा है। इसमें लाडली बहना योजना और पीएम किसान सम्मान निधि योजना की महिलाओं व पुरुष हितग्राहियों को इन बीमा योजनाओं में आवेदन कराया जाएगा। ताकि समय आने पर इन्हें लाभ मिल सके। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ इसकी रूपरेखा तैयार करेंगे। इसके पश्चात सम्बंधित विभिन्न विभागों के समन्वय में शिविरों का आयोजन होगा।

इन विषयों पर भी हुई समीक्षा

टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने बारिश से पूर्व जलभराव व सड़को तथा अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए सभी एसडीएम को बैठक करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा खनिज खदानों का सीमांकन उपरांत बोर्ड लगाने, सूर्य घर योजना के जनपदों व जिला स्तर पर शिविरों के आयोजन के सम्बधमे भी निर्देशित किया गया। वहीं उद्योगों के लिए भूमि आवंटन के सम्बंध में सम्बंधित एसडीएम को निर्देशित किया है। इसके अलावा सीएम हेल्पलाईन की भी समीक्षा की गई। बैठक में एडीएम जीएस धुर्वे, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर श्री केसी ठाकुर, राहुल नायक व डिप्टी कलेक्टर श्री एमआर कोल व सभी विभाग प्रमुख और अनुभागों का अमला गूगल मीट से जुड़ा।

त्रिविध बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

जिला स्तरीय त्रिरत्न बौद्ध विहार कोसमी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बौद्ध अनुयायियों द्वारा जिले भर में तथागत भगवान गौतम बुद्ध की 2588 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जहां जयंती विशेष पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसी कड़ी में जिला स्तरीय त्रिरत्न बौद्ध विहार कोसमी में त्रिविध बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। बीती देर शाम आयोजित इस महोत्सव में जहां थाईलैंड से प्राप्त भगवान बुध्द प्रतिमा की

स्थापना कर विधि विधान से पूजन वंदन किया गया तो वही प्रतिमा समीप मोमबत्ती प्रज्वलित कर ,माल्यार्पण, धम्मदेशना, ध्यान साधना सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन संपन्न कराए गए। जहां देर रात बालाघाट जिले के लिए थाईलैंड से मंगाई गई 100 बुद्ध की प्रतिमाओं का वितरण भी किया गया। इस दौरान बौद्ध नगर कोसमी स्थित जिला स्तरीय त्रिरत्न बुद्ध विहार में उपासक उपासिकाओं ने भगवान गौतम बुद्ध के बताए हुए रास्ते पर चलने और उनका अनुसरण अपनी जीवनी में किए जाने का संकल्प लिया। तो वही पूज्य भिक्खु धम्मशिखर और नागपुर से पधारे पूज्य भिक्खु देवानंद सहित अन्य भिक्खो व पदाधिकारियो ने त्रिविध बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवान गौतम बुद्ध की करुणा, भाईचारे, मैत्री भाव ,उनकी शिक्षा, व जनकल्याण सहित अन्य उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की बात कहीं। तो वही कार्यक्रम के अंत में देर रात सामूहिक भोज का आयोजन कर त्रिविध बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव का समापन किया गया।

थायलैंड से प्राप्त प्रतिमा की स्थापना कर किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम- धम्मशिखर

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान त्रिरत्न बौद्ध विहार कोसमी ध्यान साधना प्रशिक्षण केंद्र पूज्य भिक्खु धम्मशिखर ने बताया कि इस संसार के 200 देशों में बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। आज प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी त्रिरत्न बौद्ध विहार में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं। इस दौरान थाईलैंड से बुद्ध प्रतिमा प्राप्त हुई है जिसके स्थापना का कार्यक्रम भी किया जा रहा है। इसके अलावा थाईलैंड से प्राप्त करीब 100 प्रतिमाओ को जिले भर के कार्यकर्ताओं को स्थापना के लिए दी जा रही है इसके अलावा भगवान बुद्ध के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न कराए गए हैं। ताकि भगवान बुद्ध के संदेशों को घर-घर तक पहुंचा जा सके।

रामपायली, खैरलांजी एवं लालबर्रा पुलिस ने अवैध शराब पर की कार्यवाही

तीन गिरफ्तार 245 लीटर कच्ची शराब जप्त

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। जिले में अवैध शराब के कारोबार के चलते थाना रामपायली, खैरलांजी एवं लालबर्रा पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए, इस अवैध कारोबार में तीन व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 245 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त की है जिसकी अनुमानित कीमत 35 हजार रूपये बताई गई है। बालाघाट पुलिस के मुताबिक पुलिस अधीक्षक बालाघाट नगेन्द्र सिंह के निर्देशन में जिले में जुआ, सट्टा तथा अवैध शराब के निर्माण एवं तस्करी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर कठोर कार्यवाही के निर्देश समस्त अनुविभागीय अधिकारियों (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों को दिए गए हैं।निर्देशों के पालन में लालबर्रा, खैरलांजी एवं रामपायली पुलिस के द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावशाली कार्यवाही की गई हैं। इस कार्यवाही में कुल 245 लीटर कच्ची शराब जप्त की गई तथा बड़ी मात्रा में महुआ लाहन एवं शराब निर्माण सामग्री नष्ट की गई है। तथा तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। खैरलांजी पुलिस ने थानांतर्गत ग्राम टेमनी नाला के समीप जंगल क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा दबिश देकर 125 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त की गई। और यह शराब को अवैध रूप से बनाकर बेचने की आरोप में बबलू नगपुरे ग्राम टेमनी निवासी को गिरफ्तार किया गया है। रामपायली पुलिस ने अपने थानांतर्गत ग्राम बिटोड़ी में

कार्यवाही करते हुए 60 लीटर अवैध शराब के साथ प्रशांत मानेश्वर ग्राम बिटोड़ी निवासी को गिरफ्तार किये। इसी प्रकार लालबर्रा पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम वैनगंगा नदी के समीप ग्राम कटंगा के कछार में छापा मार कार्रवाई करते हुए 60 लीटर कच्ची शराब के साथ संगीत ग्वाले ग्राम कटंगा निवासी को गिरफ्तार किए। अभी शराब में लिफ्ट गिरफ्तार तीनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर तीनों को वारासिवनी की अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।बालाघाट पुलिस की यह सघन कार्यवाही आगामी दिनों में भी इसी प्रकार जारी रहेगी, जिससे अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके और क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

जनजातीय विद्यालयों का सीबीएसई परीक्षा परिणाम रहा अतुलनीय

हाई स्कूल का 96.71 प्रतिशत तो हायर सेकेंडरी का 83.78 प्रतिशत रहा परिणाम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का परीक्षा परिणाम मंगलवार को आ चुका है। जिसमे जिले में संचालित विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा है। यही नही जिले जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित विद्यालयों का भी परीक्षा परिणाम अतुलनीय रहा है। जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुरूप इस वर्ष नक्सल क्षेत्रो में संचालित विशिष्ट संस्थाओ का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 96.71 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 83.78 प्रतिशत रहा है। जिसमे कक्षा 10 वीं में कन्या शिक्षा परिसर परसवाड़ा, बालाघाट एवं आदर्श आवासीय विद्यालय मलाजखंड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। वहीं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर एवं उकवा का परीक्षा परिणाम 92.86 प्रतिशत रहा है। इसके साथ ही कक्षा 12वीं में कन्या शिक्षा परिसर परसवाड़ा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। जबकि कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट का परिणाम 96 प्रतिशत, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा का परिणाम 90.77 प्रतिशत तथा बैहर का 82.46 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0008/ड-154/2025-26
मौजा टेंगनीकला, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष ठाकरे पिता मानिकराम ठाकरे जाति पंवार, निवासी ग्राम टेंगनीकला, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेंगनीकला, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता डीलन ठाकरे पति मानिकराम ठाकरे का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12(2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 22.07.2014 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम टेंगनीकला के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 21.05.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 15.05.2025

तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना में नई योजना का समावेश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र शासन द्वारा मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना को शामिल किया गया है। जिसमे पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया की इस योजना का उद्देश्य देश में बढ़ती दूध और दुग्ध उत्पादों की मांग को पूरा करना है। यह योजना सभी वर्ग के पशुपालकों के लिए है और हितग्राही के पास न्यूनतम 3.5 एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। लाभार्थियों का चयन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। परियोजना की लागत देशी गाय,भैंस के लिए 36 लाख रुपये और संकर गाय,भैंस के लिए 42 लाख रुपये है। इस योजना में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों के लिए 33प्रतिशत और अन्य श्रेणी के हितग्राहियों के लिए 25प्रतिशत अनुदान राशि होगी। इस कार्यक्रम के तहत 25 दुधारू पशुओं की इकाई स्थापित की जाएगी।जिससे पशुपालकों को लाभ पहुंचाने और दूध उत्पादन में वृद्धि करने का प्रयास किया जाएगा।

जल गंगा अभियान अंतर्गत सार्वजनिक कुओं की साफ-सफाई और गहरीकरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्य निरंतर जारी है। मप्र जनअभियान परिषद की टीम जिला समन्वयक सुशील बर्मन जी के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडो में सक्रिय भूमिका निभा रही है। विकासखंड समन्वयक सीता उइके व उनकी टीम ने आज विकासखंड लालबर्रा के ग्राम अमोली के सरकारी कुएं की साफ-सफाई, गहरीकरण और कुएं के अंदर पेड़ों की कटाई की। इस कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, ग्रामवासी और नवयुवक शामिल हुए। श्रमदान कार्यक्रम में राजेश यादव, श्याम राव कावडे, दिलिप पंचेश्वर और अन्य उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम नवांकुर संस्था और चेतना जन कल्याण समिति अमोली लालबर्रा के सहयोग से आयोजित किया गया।

विक्रय/किराये से देना है

श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है
-संपर्क-
8817024586, 9201340520

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी की आवश्यकता है, 25 वर्ष से कम उम्र के बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें। वेतन-12000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है

सिविल वर्क/इन्टीरयर वर्क देखरेख हेतु ITI/Polytechnic युवती की आवश्यकता है
वेतन - 10000+
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

आवश्यकता है

कार चलाने हेतु ड्रायवर की आवश्यकता है
योग्यता-10वीं पास
वेतन- 10000+
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9201340520/7999613237

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कोतवाली पुलिस ने दिखाई तत्परता

9 लाख रुपए के जेवरातों से भरा, गुमा बैग 20 मिनट में ढूंढ निकाले

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक महिला के गुमे करीब 8 लाख रुपये कीमत के जेवरातों से भरा बैग महज 20 मिनट के भीतर ढूंढ निकाले में सफलता हासिल करते हुए ,जेवरातों से भरा यह बैग महिला के सुपुर्द कर दिए। इसके बाद इस महिला ने राहत की सांस ली। 14 मार्च को दोपहर में यह घटना बालाघाट नर्मदा नगर वार्ड नं 32 निवासी सेवानिवृत शिक्षिका शिरोमणि पति नेमकिशोर बर्वे 65 वर्ष के साथ उस समय हुई जब वह नगर में स्थित मिठाई के दुकान से स्कूटी से अपने घर जा रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवानिवृत शिक्षिका शिरोमणि बर्वे नगर के वार्ड नंबर 32 नर्मदा नगर में अपने परिवार के साथ में रहती है । 14 मई को दोपहर में शिरोमणि बर्वे अपने जेवरात बैग में रखकर स्कूटी में मेन मार्केट स्थित एक मिठाई की दुकान गई थीं। मिठाई की दुकान में खरीदारी के बाद शिरोमणि बर्वे अपनी स्कूटी में अपने घर आने निकली थी तभी रास्ते में उनका जेवरातों से भरा बैग गुम हो गया। बैग में कुल 88 ग्राम सोने के जेवरात मोबाइल और कुछ रुपये थे, जेवरातो की अनुमानित कीमत आठ लाख रुपये से भी अधिक थी। बैग में हार, मंगलसूत्र, छोटा मंगलसूत्र, चेन, अंगूठी, कान के टाप्स रखे थे, जिन्हें सुधारने के लिए वह बाजार भी गई हुई थीं। किंतु मिठाई की दुकान से आते वक्त बैग कहीं गिर गया। जब शिरोमणि बर्वे घर पहुंची और उन्हें बैग दिखाई नहीं दिया तब वह घबरा गई और वह तुरंत कोतवाली पहुंची और जेवरातों से भरा बैग गुमने के संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत को बतायी। थाना प्रभारी श्री राजपूत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल साइबर की मदद से एक टीम बनाकर जेवरात से भरा बैग ढूंढने के लिए भिजवाये ।महज 15 से 20 मिनट के बीच जेवरातों से भरा बैग मोती गार्डन की दीवाल के पास पुलिस टीम को मिल गया। और पुलिस टीम ने इस बैग को थाने लाकर शिरोमणि बर्वे के सुपुर्द कर दिया गया। बैग मैं शिरोमणि बर्वे के सभी जेवरात थे। किंतु बैग में करीब 4 हजार रुपये नहीं थे। संभवत यह बैग किसी व्यक्ति के हत्थे चढ़ गया। जिसने बैग की चेन खोली और 4 हजार रुपये निकाल लिए। किंतु जल्दबाजी में जिस हिस्से में जेवरात रखे थे, उसकी चेन नहीं खोल सका और पकड़े जाने के डर से बैग को फेक कर चला गया। जेवरातों से भरा बैग मिलने पर सेवानिवृत शिक्षिका शिरोमणि बर्वे ने राहत की सांस ली और उसने निरीक्षक विजय राजपूत और उनकी टीम का शुक्रिया अदा की। इस प्रकार कोतवाली पुलिस की तत्परता से 8 लाख रुपये के सोने के जेवरातों से भरा बैग समय रहते मिल गया।

15 से 20 मिनट के बीच महिला का जेवरातों से भरा पर्स मिल गया- निरीक्षक विजय राजपूत

नगर निरीक्षक विजय राजपूत ने बताये की 14 मई को 2-30 बजे के बीच में वे थाने में उपस्थित थे उसी समय एक महिला शिरोमणि पति नमीकिशोर बर्वे 65 वर्ष नर्मदा नगर बालाघाट निवासी आई जो डरी हुई और घबराई हुई थी। उससे समस्या पूछने पर बताई की वह आनंद स्वीट्स से एक्टिवा से घर जा रही थी। इनके पास पर्स था उसे समझ में नहीं आ रहा था कि पर्स चोरी हो गया, कि कहीं गिर गया। पर्स में एक हार तीन तोला का, दो मंगलसूत्र, एक चैन ,दो अंगूठी, तीन कान के टाप्स के अलावा एक मोबाइल रखा होना बताई। महिला की समस्या सुनकर उन्होंने तत्काल मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर की मदद से टीम बनाकर मौके पर रवाना किया गया। 15 से 20 मिनट के बीच कड़ी मेहनत से महिला का जेवरातों से भरा पर्स सही सलामत एक जगह मिल गया।

जेवरातों से भरा बैग ढूंढने में इनकी रही सराहनीय भूमिका

8 लाख रुपये कीमत के सोने के जेवरातों से भरा बैग को ढूढने में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक किरण वरकड़े, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम, प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, आरक्षक प्रधान आरक्षक रामकिशोर पटले लाल बहादुर, आरक्षक शेख शहजाद, प्रियांक श्रीवास सराहनीय भूमिका रही।

बजट नहीं होने से मरीज को नहीं मिल रही एक्स-रे फिल्म

विभाग मरीजों के मोबाइल पर दे रहा एक्स-रे रिपोर्ट, बीते कई महिनों से अस्पताल में बनी हुई हैं समस्या

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला चिकित्सालय बालाघाट में बीते कुछ वर्षों से बजट के अभाव में एक्स-रे फिल्म नहीं आ रही है। जिससे जिला चिकित्सालय में उपचार करवाने आने वाले मरीजों को एक्सरे रिपोर्ट लेते समय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब विभाग भी इस समस्या का वैकल्पिक हल निकालते हुए आने वाले मरीजों के मोबाइल से उन्हें ही फोटो खींचकर उनके मोबाइल पर रिपोट दे देते हैं। जबकि देखा जाए तो बहुत से ग्रामीण अंचल के मरीज के पास एंड्रॉयड मोबाइल नहीं होने से उन्हें इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि एक्स-रे फिल्म नहीं होने की समस्या आज की हो, यह समस्या बीते कुछ वर्षों से चली आ रही है और विभाग द्वारा यही बताया जा रहा है कि उनके द्वारा सतत अपने वरिष्ठ स्तर पर पत्राचार किया जा रहे हैं लेकिन बजट के अभाव में जिला चिकित्सालय को एक्स-रे फिल्म नहीं मिल रही है । आपको बता दे की जिले के सबसे बड़े जिला अस्पताल में एक्स-रे विभाग, बजट की कमी का सामना कर रहा है। जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है, एमएलसी को छोड़कर, एक्स-रे कराने आने वाले हर मरीजों को मोबाईल पर एक्स-रे रिपोर्ट दी जा रही है। हालांकि यह जिला अस्पताल में एक्स-रे फिल्म की कमी, आज से नहीं बल्कि विगत तीन माह से बनी है। नए वर्ष में जिला अस्पताल में एक्सरे फिल्म मंगाई गई थी, जो जनवरी-फरवरी तक चली। जिसके बाद एक्सरे फिल्म का, अस्पताल में टोटा बना है। जिसको लेकर विभाग का कहना है कि बजट नहीं है, बजट की डिमांड की गई है। बजट आते ही मरीजों को एक्सरे फिल्म प्रदान की जाएगी। जबकि मानव स्वास्थ्य में होने वाली बीमारी के आंतरिक अंगो की जांच, चोटें, संक्रमणो का पता लगाना, बिना एक्सरे फिल्म के संभव नहीं है। बावजूद इसके, जिला अस्पताल में एक्सरे फिल्म की कमी, लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही है। सवाल यह भी है कि मोबाईल पर एक्सरे फिल्म, उसी को मिल पा रही है, जिसके पास एंड्राईड फोन है, जिनके पास एंड्राईड फोन की सुविधा नहीं है। ऐसे मरीजों को खासी दिक्कत हो रही है।

बजट मिलते ही फिल्म उपलब्ध करवाई जाएगी-मनोज पांडेय

इस मामले में एक्सरे विभाग के प्रभारी रेडियोलॉजिस्ट पूर्व सीएचएमओ डॉ. मनोज पांडेय का कहना है कि फिल्म के लिए बजट नहीं है, बजट की डिमांड की गई है, बजट मिलते ही फिल्म उपलब्ध करवाई जाएगी। वह बताते है कि एंड्राईड फोन वालों को कम्प्युटर से फिल्म खींचकर दे दी जाती है, आपातकालीन स्थिति में रखी फिल्म के माध्यम से एक्सरे रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाती है, यह सही है कि प्रत्येक मरीज को एक्सरे फिल्म उपलब्ध नहीं करा पा रहे है।

आत्मरक्षा करने नन्हे बच्चे सीख रहे कराटे

प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 बच्चों को मिला येलो बेल्ट

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सीखो कराटे एसोसिएशन द्वारा बीते कुछ महीनो से छोटे बच्चों को उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। यहाँ कराटे का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 बच्चों को संगठन द्वारा प्रमाण पत्र देकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया है। आपको बता दे कि आत्मरक्षा के लिए हर किसी को कराटे का प्रशिक्षण लेना चाहिए। इसके लिए छात्रों को शुरू से ही प्रशिक्षण लेना होता हैं। आत्मरक्षा के लिए आज के समय में लडकियां विशेष रूप से इसका प्रशिक्षण ले रही हैं तो वही लडके भी कराटे सिखने में पीछे नही हैं । शरीर फिट रखने के लिए यह बेहतर माध्यम है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। शहर के उत्कृष्ट विद्यालय में बीते कुछ महीनो से सिखों कराटे एसोसिएशन द्वारा नन्हे बच्चों को कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा था । जिसमें 14 मई को कराटे का प्रशिक्षण ले रहे नन्हे बच्चों की एग्जाम करवाकर कराटे में दक्ष होने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र दिए गए हैं। जिसमें संगठन के अध्यक्ष कृष्णदास द्वारा बताया गया कि वह बीते कई वर्षों से नन्हे बच्चों को कराटे का नि:शुल्क प्रशिक्षण देते हैं । आज भी उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में बच्चों को प्रशिक्षित करने के बाद उनका एग्जाम लिया गया है । साथ ही कराटे में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नन्हे बच्चों को प्रमाण पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया गया है । उन्होंने यह भी बताया कि वह तीन-तीन महीने तक नन्हे बच्चों को कराटे का प्रशिक्षण देते हैं और आज 10 बच्चों को कराटे में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर येलो बेल्ट दिया गया है।

अंजू पाठक की अंतिम इच्छा परिजनों ने की पूरी

मृत्यु के उपरांत किये गये महिला के अंगदान

बालाघाट (पद्मेश न्यूज) । शहर के वार्ड क्रमांक 26 की एक महिला की अंतिम इच्छा थी कि वह मृत्यु के उपरांत अपने शरीर के अंगों को दान करें। परिजनों द्वारा अंतिम इच्छा को पूरी करते हुए महिला के अंगों को दान कर दिया गया है। बताया जा रहा था कि महिला ने पहले ही अंगदान किए जाने की बात अपने परिजनों को बता दी थी। जिस पर महिला की मृत्यु के बाद उनके परिजनों ने अंगदान की प्रक्रिया को पूरा करते हुए महिला की अंतिम इच्छा को पूरा पूरा कर दिया हैं और गोंदिया मेडिकल कॉलेज ले जाकर महिला के अंगों को दान कर दिया गया हैं । आपको बता दे कि महिला के अंगदान से किसी की जिंदगी संवरने वाली है। बालाघाट नगर की वार्ड क्रमांक 26 निवासी 58 वर्षीय अंजू पाठक की मृत्यु उपरांत परिवारजनों की सहमति से अंगदान किया गया है। इससे अब किसी अन्य को जीवनदान मिल सकेगा। अंजू पाठक के परिजनों के इस निर्णय की हर कोई तारीफ कर रहा है। देखा जाये तो बालाघाट नगरीय क्षेत्र में अंगदान से जुड़ा यह दूसरा मामला है। इसके पूर्व भी बालाघाट वार्ड क्रमांक 28 निवासी एक महिला की मृत्यु होने पर भी उनकी इच्छा अनुसार मेडिकल कालेज में दान किया गया था। आधुनिकता के समय में मृत्यु उपरांत अंगदान का प्रचलन भारत में तेजी से बढ़ रहा है, जो एक महत्वपूर्ण और जीवन रक्षक प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया लोगों को अंग प्रत्यारोपण के माध्यम से नया जीवन प्रदान करती है। भारत में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। एक ऐसी ही संस्था से जुड़कर वार्ड क्रमांक 26 निवासी महिला ने भी अपने परिवार से अपनी मृत्यु के उपरांत अंगदान की इच्छा जाहिर की, जिसके तहत परिवार ने महिला की अंतिम इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए मेडिकल कांलेज पहुंचकर अंगदान की प्रकिया को पूर्ण किया। वार्ड क्रमांक 26 निवासी दिलीप पाठक की पत्नी अंजू पाठक विगत कई सालों से हृदय रोग से संबंधित बिमारियों से जूझ रही थी, जिनका उपचार भी जारी था, जिनका 13 मई रात्रि अचानक स्वास्थ्य बिगड़ा और माइनर अटैक आने के बाद उनका निधन हो गया, जिसके बाद उनके परिजनों ने मृतिका अंजू पाठक के निर्णय के तहत उनके पार्थिक देह को गोंदिया मेडिकल कांलेज ले जाकर दान कर दिया। इस दौरान उनके पति दिलीप पाठक सहित अन्य परिजन भी मौजूद रहे। चिकित्सकों के मुताबिक, मृत्यु के कुछ घंटे तक हार्ट, किडनी, लंग्स और लिवर जैसे अंग जीवित रहते हैं। लीवर और किडनी को 10 से 12 घंटे तक जीवित रखा जा सकता है। वहीं हार्ट को 4 से 6 घंटे के अंदर ट्रांसप्लांट करना होता है। ट्रांसप्लांट करने की परिस्थिति में इन अंगों को एक खास बॉक्स में विशेष रसायन के साथ सुरक्षित रखा जाता है। इसके अलावा इन्हें कम तापमान में रखने की जरूरत होती है। इसलिए इन अंगों को बर्फ में रखा जाता है। देखा जाये तो बालाघाट नगरीय क्षेत्र में अंगदान से जुड़ा यह दूसरा मामला है, इसके पूर्व भी बालाघाट वार्ड क्रमांक 28 निवासी एक महिला की मृत्यु होने पर भी उनकी इच्छा अनुसार मेडिकल कालेज में उनके अंग को दान किया गया था।

युद्ध के हालातो को देखते हुए तैयार की जा रही युवाओ की टीम

1हजार सिविल वालिंटियर को दिया जाएगी आपदा प्रबंधन की ट्रेंनिग, होमगार्ड आपदा प्रबंधन की नपा प्रबंधन के साथ बैठक सम्पन्न

बालाघाट(पदमेश न्यूज) । पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच भीषण युद्ध जैसे हालात निर्मित हो गए थे हालांकि वर्तमान समय मे दोनों देशों की तरफ से सीजफायर का ऐलान हो गया है लेकिन दोनों देशों के बीच कभी भी युद्ध छिड़ने की आशंका बनी हुई है। जिसे देखते हुए भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा देश के समस्त प्रदेशों व जिलों में नागरिक सुरक्षा व आपदा प्रबंधन कार्य के लिए सिविल वॉलिंटियरों की टीम गठित करने के आदेश जारी किए गए हैं। जहां शासन प्रशासन से मिले इन निर्देशों के परिपालन में बालाघाट में करीब 1000 युवाओं की टीम गठित कर उन्हें आपदा प्रबंधन की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसको लेकर बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष के कक्ष में, होमगार्ड एवं आपदा प्रबंधन के साथ नगर पालिका प्रबंधन के बीच एक बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित इस बैठक में कभी भी युद्ध जैसे हालात बनने या आपातकाल जैसी स्थिति आने पर अपने साथ-साथ लोगों को भी सुरक्षा देने को लेकर विचार विमर्श किया गया ।वहीं आपदा प्रबंधन के इस कार्य के लिए सिविल वालंटियर तैयार करने उन्हें 12 विधाओं की विशेष ट्रेनिंग देने के लिए 1000 युवाओं की मजबूत टीम के गठन किए जाने की चर्चा की गई ।नागरिक सुरक्षा स्वयंसेक सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को लेकर हुई बैठक में होमगार्ड कमाण्डेड रजनी खटिक, नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति समीर जायसवाल, वकील वाधवा, कमलेश पांचे, संगीता खगेश कावरे, संगीता थापा, पार्षद रैना सुराना, कारो लिल्हारे, पूर्व पार्षद छबिराम नागेश्वर, पन्ना शर्मा, रामभाऊ पंचेश्वर, पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय से जारी हुए हैं आदेश

बताया गया कि आकस्मिक युद्ध एवं आपदा की स्थिति में लोग भी नागरिक सुरक्षा स्वयंसेक सिविल डिफेंस वालेंटियर्स के रूप में आपातकालीन परिस्थिति में अपनी भूमिका निभा सकते है। जिसको लेकर मध्यप्रदेश गृह मंत्रालय ने सिविल डिफेंस अधिनियम 1968 एवं सिविल डिफेंस रेग्युलेशन 1968 के प्रावधानों के तहत आदेशित किया है कि जिलों में भी नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जाये ।उन्होंने बताया कि इस टीम के कंट्रोलिंग ऑफिसर कलेक्टर बालाघाट होंगे ।बालाघाट शहर के सभी 33 वार्डो में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेक सिविल डिफेंस वालेंटियर्स नियुक्ति होंगे जिसकी संख्या 2 से 5 तक हो सकती है तथा ग्राम पंचायत स्तर पर 2 स्वयंसेवक रखे जा सकते है। जिसके चलते इस टीम में अधिक से अधिक युवाओ को जोड़ने के लिए फार्म भी वितरीत किए गए।

हजार युवाओं को जोडने का मिला है लक्ष्य-खटीक

आयोजित बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान आपदा प्रबंधन प्रमुख एंव होमगार्ड कमांडेंट रजनी खटीक ने बताया केंद्र व राज्य सरकार से नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन को लेकर एक टीम का गठन करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। यदि भारत पाकिस्तान युद्ध होता है या कोई आपदा की स्थिति उत्पन्न होती है तो ऐसी स्थिति में लोगों के जान माल की सुरक्षा कैसे की जाए, इसको लेकर सिविल वॉलिंटियरों की एक टीम का गठन किया जा रहा है। जिन्हें विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। संगठन तैयार करके युवाओं को ट्रेनिंग देकर मानव संसाधनों को जोड़कर आपदा एवं प्रबंधन का कार्य करना है। इसमें हवाई हमले के पूर्व एवं बाद की तैयारी, ब्लैकआउट, फस्टएड, फायर फाईटिंग ,प्रशासनिक सेवाओ में सहयोग व बाढ़ जैसे हालात अन्य प्रकार की आपदा प्रबंधन व कार्य सम्मिलित हैं। शासन से जो 1000 युवाओं को जोड़ने का टारगेट दिया गया है उसी को लेकर यह बैठक आयोजित की गई है ।जहां उच्च अधिकारियों से मिले निर्देश के अनुसार जिले में जल्द ही 1000 के करीब सिविल वालंटियर को जोड़कर एक मजबूत टीम का गठन किया जाएगा जो युद्ध जैसे हालातो और आपदा प्रबंधन के तौर पर काम करेंगे।

एक युवक ने घर में घुसकर लड़की से मारपीट कर किया दुष्कर्म, पेट्रोल डालकर जलाने की दी धमकी

युवक मनीष उर्फ राजा मेश्राम गिरफ्तार

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में एक गांव में रहने वाली एक 18 वर्षीय लड़की ने अपने एक परिचित युवक के विरुद्ध घर में घुसकर मारपीट कर जबरदस्ती दुष्कर्म करने और पेट्रोल डालकर जला देने की धमकी देने का आरोप लगाई। यह घटना 9 मई की रात्रि में हुई। इस अनुसूचित जनजाति की लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर परसवाड़ा पुलिस में इस लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाले युवक मनीष उर्फ राजा पिता महेंद्र प्रताप मेश्राम 17 वर्ष को गिरफ्तार कर लिये। जिससे बाल संप्रेक्षण गृह सिवनी भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 18 वर्षीय लड़की परसवाड़ा थाना क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहती है। जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा वे तीन बहनो में सबसे छोटी है। जिसकी दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। 1 साल पहले जब यह लड़की जिला सिवनी में रहने वाली अपनी मामी के घर गई थी तब उसकी पहचान मनीष उर्फ राजा मेश्राम से हुई थी। 9 मई की रात्रि 10 बजे जब यह लड़की अपने माता-पिता के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में जाकर सो गई थी। रात 12 बजे जब लड़की सो रही थी। तब किसी ने उसके ऊपर पानी डाला, नींद खुलने पर इस लड़की के सामने मनीष उर्फ राजा मेश्राम जिला सिवनी निवासी खड़ा था। इस लड़की ने मनीष उर्फ राजा मेश्राम को आने का कारण पूछी तो राजा मेश्राम ने उसे बोला कि मैं बात करने आया हूं, लड़की ने बोली कि तूझसे कोई बात नहीं करनी है। तभी मनीष उर्फ राजा मेश्राम ने इस लड़की को मारपीट किया और मुंह दबाकर उसके साथ जबरन बलात्कार किया, लड़की ने डर के इस घटना को अपने मम्मी पापा को नहीं बताई और वह पड़ोसी को बताने जा रही थी। तभी मनीष उर्फ राजा मेश्राम ने इस लड़की को पकड़ कर घर के अंदर लेकर गया और किसी को इस घटना के सम्बंध में बताने पर पेट्रोल डालकर जला देने की धमकी दी। जिसके डर के कारण लड़की ने घटना के संबंध में किसी को नहीं बताईऔर दूसरे दिन यह लड़की अपने परिवार के साथ शादी में चली गई थी। 13 मई को इस लड़की ने मनीष उर्फ राजा मेश्राम द्वारा किए गए कृत्य के संबंध में अपने परिवार वालों को बताई और परिवार वालों के साथ रिपोर्ट करने के लिए परसवाड़ा पुलिस थाना पहुंची। परसवाड़ा पुलिस ने इस 18 वर्षीय लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर मनीष उर्फ राजा मेश्राम के विरुद्ध धारा 64(1),115(2),332(बी),351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 3(2)(वी),3(1)डब्लू(1) अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया और तुरंत कार्यवाही करते हुए मनीष उर्फ राजा मेश्राम को गिरफ्तार करके बालाघाट के किशोर न्याय बोर्ड में पेश किये जहां से उसे बाल संप्रेक्षण गृह सिवनी भिजवा दिया गया है।

बुट्टा ह. से बिरसोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल, आवागमन में हो रही परेशानी

सड़क से ओवरलोड वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने एवं मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 13 किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. से बिरसोला पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है एवं कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्डे भी बन गये है। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग स्थित बिरसोला एवं लवादा के बीच में टोल प्लाजा बना हुआ है और टोल टैक्स से बचने के लिए कुछ चौपहिया एवं ओवरलोड वाहन सीधे बालाघाट की ओर न जाते हुए घुमते हुए बिरसोला से बुट्टा ह. पहुंच मार्ग होते हुए बालाघाट की ओर जाते है और चौपहिया सहित ओवरलोड वाहनों के आवागमन के कारण सड़क खराब हो रही है। वहीं जगह-जगह से डामर उखड़ जाने के कारण ग्रामीणजन, राहगीर एवं स्कूली ब%चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने बरसात के पूर्व बुट्टा ह. से बिरसोला पहुंच मार्ग का मरम्मत कार्य एवं इस मार्ग से ओवरलोड वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

सड़क में बने गड्डे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण

आपकों बता दे कि बुट्टा हजारी से बिरसोला पहुंच मार्ग खराब हो जाने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा करीब दो वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया था परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने एवं लवादा में बने टोल प्लाजा से बचने के लिए चौपहिया वाहन भी इसी मार्ग से गुजरते है। जिसके कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है एवं जगह-जगह से डामर उखड़ने के साथ ही गड्डे हो चुके है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह मार्ग बुट्टा हजारी से सीधे बिरसोला होते हुए बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ता है और इस मार्ग से राहगीर, ग्रामीण एवं स्कूल के छात्र-छात्राएं आवागमन करते है। साथ ही बरसात के पूर्व सड़क का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को होगी क्योंकि इस मार्ग से बिरसोला में स्थित हायर सेकेण्डरी में छात्र-छात्राएं शिक्षा अध्ययन करने आते है। वहीं सड़क खराब होने से हर समय दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

टोल टैक्स से बचने भारी वाहन इस मार्ग से गुजरते है - बाबूलाल

बाबूलाल टेंभरे ने बताया कि बुट्टा ह. से बिरसोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है, जिसका मुख्य कारण है कि लवादा टोल प्लाजा के टोल टैक्स से बचने के लिए ओवरलोड वाहन इस मार्ग से गुजरते है। जिसके कारण सड़क में जगह-जगह गड्डे बन गये है और आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना कर ना पड़ रहा है। श्री टेंभरे ने बताया कि सड़क खराब होने से दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है इसलिए प्रशासन से मांग है कि चौपहिया एवं ओवरलोड वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाये और सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - लक्ष्मीनारायण

बुट्टा ह. के पूर्व उपसरपंच लक्ष्मीनारायण झंझाड़े ने बताया कि सड़क का विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने एवं लवादा में बने टोल प्लाजा के टैक्स से बचने के लिए भारी वाहन इसी मार्ग से गुजरते है जिसके कारण सड़क खराब हो चुकी है। साथ ही वर्तमान समय में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है, लोग रात्रि के समय आवागमन करते है परन्तु सड़क खराब होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। श्री झंझाड़े ने बताया कि बिरसोला स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल में बच्चें पढ़ाई करने जाते है और इसी मार्ग से ग्रामीणजन भी आवागमन करते है इसलिए प्रशासन से मांग है कि बरसात के पूर्व सड़क का मरम्मत कार्य या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाये।

सीबीएसई कक्षा 10 वी में हर्षिका राहंगडाले ने जिले में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के द्वारा कक्षा 10 वीं, 12 वीं का 13 मई को परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। इस सीबीएसई कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा में ग्राम पंचायत ददिया, घोटी के सचिव हुकुमचंद राहंगडाले की बेटी पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत छात्रा हर्षिका राहंगडाले ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 500 में से 483 अंक प्राप्त कर 96.6 प्रतिशत के साथ विद्यालय व जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम गौरवांवित किया है। आपकों बता दे कि हर्षिका राहंगडाले ग्राम पंचायत ददिया व घोटी के सचिव हुकुमचंद रहांगडाले एवं अतिथि शिक्षिका श्रीमती बबिता राहंगडाले की सुपुत्री हैं। जो पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में शिक्षा अध्ययन कर रही है। शुरू से ही पढ़ाई में होनहार हर्षिका ने बिना कोचिंग व सेल्फ स्टडी से पढ़ाई कर नवोदय विद्यालय में चयन प्राप्त किया था। अब उन्होंने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम लाकर कक्षा 10 वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता, गुरूजनों और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। वहीं हर्षिका राहंगडाले की इस सफलता से गृह ग्राम बघोली, लालबर्रा क्षेत्र व विद्यालय में खुशी की लहर व्याप्त है। हर्षिका का सपना है कि कक्षा 11 वीं में बायो विषय लेकर पढ़ाई करेगी और नीट की तैयारी कर एमबीबीएस की पढ़ाई कर डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना है। साथ ही छात्रा हर्षिका राहंगडाले की सफलता प्रेरणादायी है, उनकी छात्राओं के लिए जो सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत, लगन और आत्मविश्वस से अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। हर्षिका राहंगडाले को शुभकामनाएं देने के साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना करने वालों में दादा-दादी, नाना-नानी, पिता हुकुमचंद राहंगडाले, माता श्रीमती बबिता राहंगडाले, घोटी सरपंच तीरथसिंह बिसेन, जनपद सदस्य देवेश विक्की गौतम, ददिया सरपंच पूनम भलावी, जनपद सदस्य केसरबाई मनीराम भोयर, जवाहर नवोदय विद्यालय प्राचार्य रणवीर सिंह, शिक्षक संतोष पटले, श्री यादव, प्रीती अमुले, मधुसूदन चंद्रवार, संदीप सर, जैन सर, गौरीशंकर पारधी, अशोक सर, विभीषण सर, सुनीता मैम सहित जनपद पंचायत लालबर्रा के समस्त सचिव एवं शुभचिंतक शामिल है।

कनकी के अरूणोदय विद्यालय का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी स्थित अरूणोदय हायर सेकेण्डरी स्कूल के अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम की कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सराहनीय रहा है। चर्चा में स्कूल के प्राचार्य शिवराज लानगे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा गत 6 मई को कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है जिसमें सृष्टि टेभरे ने प्रथम, प्रियांशु बोपचे ने द्वितीय एवं कनक चौहान से कक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम गौरवांवित किया है। श्री लानगे ने बताया कि कक्षा 10 वीं अंग्रेजी माध्यम में छात्रा सृष्टि टेंभरे ने 94 प्रति., प्रियांशु बोपचे ने 92.4 प्रतिशत, कु. मानसी टेंभरे ने 92 प्रति., कनक चौहान ने 91.4 प्रति., नैन्सी टेंभरे ने 91.2 प्रति., तृप्ति अजित ने 90.2 प्रति., कृष्णा राहंगडाले ने 88.8 प्रति., मोहित सिरसाठे ने 88.2 प्रति., जेनी ब्रम्हे ने 86.8 प्रति., प्रिती पंचेश्वर ने 86.6 प्रति., एकता बागड़े ने 85.2 प्रति., प्रित नगपुरे ने 84.8 प्रति., श्रेया मककाम ने 84.6 प्रति., शौर्य नेमा ने 84 प्रति., शीतल राहंगडाले ने 81.6 प्रति., रिया डहरवाल ने 81.4 प्रति., शालिनी सेन ने 80.6 प्रति., ग्रेसी चेटी ने 75.8 प्रति., जितेश आश्वले ने 74.2 प्रति., राज कटरे ने 73.6 प्रति., निहारिका वरकड़े ने 73.2 प्रति., निकिता गौतम ने 72.8 प्रतिशत, दिक्षाशी सौलाखे ने 72.6 प्रति., प्रिया कातुरे ने 72 प्रति., जान्हवी शिव ने 71.4 प्रति., नेहा मोहुतरे ने 70.8 प्रति., यश बिसेन ने 70.4 प्रति., सत्यम बाहेश्वर ने 69.8 प्रति., देविका गिरी ने 67.8 प्रति., सागर नगपुरे ने 66.2 प्रति., रोशनी चावरपाने ने 65.8 प्रति., अनोक आचरे ने 65.6 प्रति., रूपम मुंजारे ने 64.4 प्रति. मयंक डहरवाल ने 64.2 प्रति., लक्ष्मी बिसेन ने 64 प्रति., यशवर्धन राणा ने 63.2 प्रति., ओम बांधे ने 62.6 प्रति., आदर्श छिंदीबुरे ने 61.8 प्रति., काव्या नगपुरे ने 61.6 प्रति., कुनाल बिसेन ने 61 प्रति., अशु पारधी ने 60 प्रति., चेश कुमरे ने 59.4 प्रति., माही बांधे ने 58.4 प्रति., विशेष जौजारे ने 58.2 प्रति., शीतल बघेल ने 56.4 प्रति., उ%जवल पटले ने 54.6 प्रति. एवं लोकेश पन्द्रे ने 48.6 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण हुए है। उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उ%जवल भविष्य की कामना करने वालों में प्राचार्य शिवराज लानगे, शिक्षक नरेन्द्र वाहने, गिरीश टेंभरे, राजेश बिसेन, राजेन्द्र बिसेन, गरिमा सहारे, राजकुमार जर्वेकर, शंकर उपवंशी, कंचन भोयर, पूजा डहरवाल, %योति बघेले, सुषमा दुबे, ललिता डहरवाल, रंजनी दुबे, रीना पटले, अंकिता बनवाले, सलोनी कुर्वे, संगीता परते, आरती पारधी, प्रदीप डायरे, मंजू बिसेन, शारदा चौहान, मंजू राउत व सुलोचना तुमसरे शामिल है।

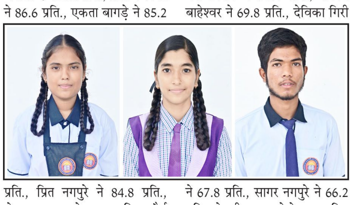

बकोड़ा कृषि उपज मंडी में धान की खरीदी शुरू होगी आज से

व्यापारी बोली लगाकर करेगें खरीदी, फसल का मिलेगा अच्छा दाम, मंडी में खरीदी शुरू होने से स्थानीयजनों को मिलेगा रोजगार, किसानों से उपज लेकर पहुंचने की अपील

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में करोड़ों रूपयों की लागत से कृषि उपज मंडी का भवन एवं प्रांगण का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है ताकि क्षेत्रीय किसानों की उपज की खरीदी करने में सुविधा हो और शासन को राजस्व प्राप्त हो सके। साथ ही कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा का कार्यालय भी बकोड़ा मंडी प्रांगण में ही स्थित है। लेकिन जब से कृषि उपज मंडी का निर्माण किया गया है उसके बाद से समिति के द्वारा उपज की खरीदी नही की गई है, न ही व्यापारियों के द्वारा धान व अन्य फसलों की खरीदी की गई है। ऐसी स्थिति में लालबर्रा क्षेत्र के किसान खरीफ व रबी सीजन में लगने वाली धान की फसल को विक्रय करने वारासिवनी कृषि उपज मंडी में लेकर जाते है जहां व्यापारियों के द्वारा बोली लगाकर धान की खरीदी की जाती है। जिससे किसानों को फसल का अच्छा दाम मिल जाता है। लेकिन दुरी अधिक होने एवं फसल को ले जाने का किराया अधिक लगने व दुर होने पर किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही लंबे समय से क्षेत्रीय किसानों के द्वारा लालबर्रा के बकोड़ा स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा से खरीदी शुरू करवाने की मांग कर रहे थे। लेकिन लालबर्रा में रजिस्टर्ड व्यापारी कम होने के कारण खरीदी प्रारंभ नही की जा रही थी। जिसके बाद गत दिवस लालबर्रा क्षेत्र में धान खरीदी करने वाले व्यापारियों की बैठक आयोजित कर कृषि उपज मंडी बकोड़ा (लालबर्रा) परिसर में ई-मंडी के माध्यम से कृषि उपज की खरीदी करने की बात कही गई थी। जिसके बाद व्यापारीगण धान एवं अन्य फसल को मंडी के माध्यम से खरीदी करने अपनी सहमति दे दिये है। तब जाकर समिति के द्वारा खरीदी की तैयारी की गई है और 15 मई से मंडी प्रांगण में खरीदी की जायेगी जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। 15 मई से कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा के द्वारा मंडी प्रांगण बकोडा में ई-मंडी के माध्यम से कृषि उपज की खरीदी का शुभारंभ किया जायेगा। जिसके बाद लालबर्रा के धान व्यापारियों के द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर पहुंचकर बोली के माध्यम से किसानों की उपज की खरीदी ई- मंडी के माध्यम से की जायेगी। जिससे किसानों को फसल का अच्छा दाम भी मिलेगा। साथ ही लालबर्रा कृषि उपज मंडी समिति के द्वारा बकोड़ा में बनाये गये मंडी परिसर में खरीदी शुरू हो जाने से अब क्षेत्रीय किसानों को धान की उपज विक्रय करने के लिए वारासिवनी नही जाना पड़ेगा। वहीं कृषि उपज मंडी में धान सहित अन्य फसलों की खरीदी शुरू हो जाने से स्थानीयजनों को रोजगार भी मिलेगा। साथ ही ई-मंडी के माध्यम से किसानों की फसल धान, चना, गेंहू आदि फसल व्यापारियों के द्वारा खरीदी जायेगी और सही तौल, नगद/आर.टी.जी.एस/एन.ई.एफ.टी. से भुगतान किया जायेगा। वहीं कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा के सचिव सहित अन्य कर्मचारियों ने क्षेत्रीय किसानों से ई-मंडी के माध्यम से अपनी उपज बकोड़ा मंडी परिसर में लाकर विकय करने

किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा सचिव वायआर ठाकरे ने बताया कि बकोड़ा स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में ई-मंडी के माध्यम से 15 मई से उपज की खरीदी प्रारंभ की जायेगी। जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है और लालबर्रा क्षेत्र के व्यापारीगणों के द्वारा किसानों की धान व अन्य फसलों की खरीदी की जायेगी। श्री ठाकरे ने बताया कि खरीदी गई उपज का भुगतान नगद, आरटीजीएस/एनईएफटी से किया जायेगा। क्षेत्रीय किसानों से अपील है कि अपनी उपज मंडी प्रांगण में लेकर आये और ई-मंडी के माध्यम से विक्रय करें।

कक्षा 10 वीं में सिम्मी डोंगरे का सुयश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. निवासी डॉ. जितेंद्र डोंगरे की सुपुत्री सुश्री सिम्मी डोंगरे ने गत 6 मई को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा जारी बोर्ड परीक्षा परिणाम में कक्षा दसवीं में अंग्रेजी माध्यम से 91 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल की प्रावीण्य सूची में 10 वां स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता सहित सीएम राइज स्कूल लालबर्रा का नाम रौशन किया है। चर्चा में छात्रा सिम्मी डोंगरे ने बताया कि वह नियमित रूप से विद्यालय जाती थी और स्वयं के बनाये टाईमटेबल के अनुसार पढ़ाई करती थी। आगे बताया कि कक्षा 11 वीं में विज्ञान संकाय में प्रवेश लेकर चिकित्सा शास्त्र की पढ़ाई कर चिकित्सक बनना है। डॉ. जितेन्द्र डोंगरे ने बताया कि बचपन से ही सिम्मी अपनी पढ़ाई को लेकर बहुत मेहनत करती है और घर के कामों में भी अपनी सहभागिता निभाने के साथ ही समय निकालकर पढ़ाई करती है, जिसकी इस सफलता से परिवार के सभी लोग बेहद खुश है। सिम्मी डोंगरे की इस सफलता पर पिता डॉ. जितेन्द्र डोंगरे, माता श्रीमती प्रभा डोंगरे, छोटी बहन श्रुति डोंगरे, सीएम राइज स्कूल लालबर्रा प्रभारी प्राचार्य सनतकुमार दुबे, शिक्षक श्रीमती प्रीति दीक्षित, खेमेन्द्र कटरे, श्रीमती वीणा तितरमारे, श्रीमती उर्मिला नागेश्वर, सुनील बाहेश्वर, भरतलाल डोंगरे, प्रदीप डोंगरे, नेवरगांव (ला.)सरपंच संतोष पंचेश्वर, उपसरपंच देवीप्रसाद नागेश्वर, सचिव गुलाबसिंह तेकाम, रोजगार सहायक प्रवीण खैरवार, स्थाई पटेल सुरेंद्र बाहेश्वर, सेवानिवृत्त शिक्षक बसंत बिसेन, रवि हनवत, आनंद बाहेश्वर, दीपक बिसेन, दिलीप डोंगरे, जावेद खान, देवेंद्र डोंगरे, शाहिद खान, कृष्णकांत बाहेश्वर, शिक्षक नरेंद चौहान, मनोज गजभिये, घोषन्त बिसेन, सामाजिक कार्यकर्ता संतलाल चौधरी, दिनेन्द्र बाहेश्वर, आनंद बिसेन, देवानंद बोरकर, कृपाल कुमरे, संतोष दवने, रजनीश चौधरी, महेश शरणागत सहित अन्य शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सीएम सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास छात्रों की प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र जन अभियान परिषद और महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकुट के संयुक्त तत्वावधान में सीएम सामुदायिक नेतृत्व क्षमता के छात्रों की प्रोयौगिक परीक्षा सम्पन्न हुई। इस परीक्षा में बीएसडब्ल्यू प्रथम द्वितीय,व तृतीय वर्ष के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इसके साथ ही मास्टर ऑफ़ सोशल वर्क एमएसडब्ल्यू प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र भी शामिल हुए। यह प्रायोगिक परीक्षा रानी दुर्गावती महाविद्यालय परसवाड़ा में संपन्न हुई। इस परीक्षा में 189 विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें 40प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की महिलाएं थीं। ये महिलाएं पारिवारिक कठिनाइयों और सुविधा के अभाव के कारण उच्च शिक्षा से वंचित थीं, लेकिन इस कोर्स के माध्यम से उन्हें आगे उच्च शिक्षा के लिए अवसर मिला है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और पेसा मोबिलाइजर भी अपनी योग्यता बढ़ा रही हैं। परीक्षा में सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। शीतल चोके और संतोष नगपुरे ने मौखिक परीक्षा का संचालन किया।

किन्ही में पानी की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

ग्रामीणों की समस्या जानकर भी अंजान बने है अधिकारी कर्मचारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्ही स्थित वारासिवनी तुमसर हाईवे मार्ग पर ग्रामीणों के द्वारा जूझ रहे नल जल की समस्या को लेकर चक्काजाम किया गया। जहां पुलिस प्रशासन की समझाइस पर ग्रामीणों के द्वारा चक्काजाम स्थगित कर समस्या के संबंध में तहसीलदार को ज्ञापन देकर समस्या का समाधान नही होने पर दो दिवस बाद मार्ग पर चक्काजाम करने की चेतावनी दी गई। इस दौरान ग्रामीणों के द्वारा मार्ग पर बाल्टी ,गुंड और लकड़ी सहित अन्य वस्तु रखकर ग्राम की महिलाओं के द्वारा चक्काजाम किया गया। जहां दोनों तरफ छोटे बड़े वाहनों की कतार लगी रही पुलिस ने समझाइस देकर यातायात बहाल कर दिया। जहां उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा सरपंच ,सचिव ,ठेकेदार एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों पर जमकर आक्रोश व्यक्त किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

किन्ही वार्ड नंबर १९,२० में २ महीने से बंद है नल जल योजना

खैरलांजी के ग्राम पंचायत किन्ही में शुद्ध पानी प्राप्त करने की समस्या बनी हुई थी। जहां पर पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। जिसका निर्माण ग्राम में ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है जिसके तहत पानी वितरण भी प्रारंभ कर दिया गया है। परंतु बीते दो महीने से ग्राम के वार्ड नंबर १९ और २० में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है ,जहां ग्रामीणों को पीने योग्य शुद्ध पानी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। वहीं ग्राम पंचायत की नल जल योजना भी उक्त वार्ड वासियों को पानी उपलब्ध नहीं कर पा रही है ऐसे में उक्त क्षेत्र में पानी के लिए त्राहि त्राहि मची हुई है। क्योंकि हैंडपंप के माध्यम से भी शुद्ध पानी उन्हें प्राप्त नहीं हो पा रहा है वहीं नल जल योजना की मुख्य टंकी से उनके वार्ड को जोड़ने की जगह सुखे नलकूप में मोटर डालकर उक्त वार्ड को जोड़ दिया गया है। जहां योजना का एक बूंद पानी किसी को भी प्राप्त नहीं हो पा रहा है तो वहीं भूमिगत जल का स्तर बहुत नीचे जाने से हैंडपंप भी पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहे हैं। हालांकि इन हैंड पंप में गंदा पानी या जंग युक्त पानी निकल रहा है इस परिस्थिति में ग्रामीणों के द्वारा समस्या ग्राम के सरपंच ,सचिव और विभाग के अधिकारियों को बताई गई थी। किंतु उनके द्वारा उक्त मामले में कोई संज्ञान लेकर समाधान नहीं किया गया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा बुधवार की सुबह १० बजे किन्ही से गुजरने वाले वारासिवनी से तुमसर मार्ग पर चक्काजाम किया गया। इस दौरान ग्रामीणों के द्वारा मार्ग को अवरुद्ध कर वाहनों को रोक दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल खैरलांजी पुलिस मौके पर पहुंची जिन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समझाइस दी गई। वहीं विधिवत आंदोलन करने के बात कही जिस पर ग्रामीणों के द्वारा चक्काजाम स्थगित किया गया। वहीं सड़क किनारे उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा आवेदन तैयार कर तहसीलदार को देने की बात कहते हुए समस्या का समाधान नी होने पर दो दिवस बाद पुन: चक्काजाम कर आंदोलन करने की चेतावनी दी गई।

जब तक पानी नही मिलेगा आंदोलन करते रहेंगे-खातून शेख

ग्रामीण खातून शेख ने बताया कि हमारे गांव में पानी की समस्या बहु अधिक बनी हुई है जिसके लिए हमने चक्काजाम किया है। एक बूंद पानी के लिए हम तरस गए हैं और यह हमारी अकेले की समस्या नहीं है यहां जितने भी लोग हैं सभी की यही समस्या है। दो माह से हमें नल जल योजना का पानी प्राप्त नहीं हो पा रहा है हमारे वार्ड में पिने का पानी तक नहीं है। इसके लिए हमारे द्वारा हर किसी को शिकायत की गई है परंतु इसमें अधिकारी बोल रहे हैं कि नलकूप खनन किया गया था उसकी समस्या है। यदि यह समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो हम इसी तरह आंदोलन करते रहेंगे। हर कोई परेशान है सुबह से लोगों को पानी की जरूरत महसूस होती है ग्राम में जो जल स्त्रोत है उनसे भी शुद्ध पानी नहीं मिलता है और जो पानी मिल पाता है वह पर्याप्त नहीं होता है।

समस्या का समाधान नही हुआ तो फिर चक्काजाम होगा-श्यामकला बारसागड़े

ग्रामीण श्यामकला बारसागड़े ने बताया कि हमारा यह आंदोलन पानी के लिए था हमारे यहां हेड पंप से गंदा पानी निकलता है जो पीने योग्य कहीं से नहीं है। दो महीना हो गया है पीने के लिए हमारे यहां पानी नहीं है नल जल योजना जो है वह बंद है उससे पानी नहीं आ रहा है। इस समस्या की जानकारी हमने ग्राम के सरपंच ,सचिव और नल जल योजना के अधिकारियों को दिए हैं। पर किसी ने भी हमारी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया है और ना ही समस्या को जानने के लिए आए हैं। जबकि हमारे द्वारा मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल १८१ पर भी शिकायत की गई है मजबूरी में हमें आज चक्काजाम करना पड़ा। जिसमें पुलिस ने आकर हमें समझाया और आवेदन लगाने के लिए कहा। अब हम जाकर आवेदन देंगे यदि समस्या का समाधान हुआ तो ठीक वरना फिर चक्काजाम होगा।

शासन की नल जल योजना विफल है-प्रबंधन ठाकुर

ग्रामीण प्रबंधन ठाकुर ने बताया कि हमारे गांव में १ वर्ष हो गया है नल जल योजना का काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। इसकी जानकारी हमने विभाग के एसडीओ को भी दिए हैं वह हमें नल जल योजना के नलकूप में पानी नहीं है बता रहे हैं। जबकि योजना की जो टंकी बनी है उससे हमें कनेक्शन नहीं दिया गया है यदि देते तो हमें पानी मिलता किंतु इन्होंने आज तक टंकी से भी पानी देने का प्रयास नहीं किया है। हर बार यह कल परसों कर रहे हैं यह जो योजना बनी है वह विफल है यह लोग बरसात में योजना सौंपने की तैयारी में है। हम यही चाहते हैं की योजना में सुधार किया जाए वरना हम परसों चक्काजाम करेंगे। हमारे पास थाना प्रभारी आए थे उन्होंने कहा कि आपने जानकारी नहीं दी है तहसीलदार को पहले आवेदन दे दो हमें समझाया तो हम आंदोलन पर नहीं है। यह समस्या सरपंच ,सचिव और अधिकारी सभी को पता है परंतु वह जानकर भी अनजान बन रहे हैं।

सेंट विद्यासागर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। सीबीएसई विद्यालय सेंट विद्यासागर कॉन्वेंट हा. से.स्कूल का कक्षा १० वीं और कक्षा १२ का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। इस वर्ष कक्षा १०वीं एवं कक्षा १२वीं विज्ञान और वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं नगर का गौरव बढ़ाया है। कक्षा १० वीं में वैश्वी बंसोड़ ने ९२.४ अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीनू बिसेन ९० प्रतिशत ,द्रष्टि बावने ८८ प्रतिशत ने भी अव्वल प्रदर्शन किया। दिप्ती हेडाऊ ८५ प्रतिशत, अक्षरा देशमुख ८२ प्रतिशत, सौम्या खैरवार ८१ प्रतिशत जैसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने यह सिद्ध किया कि सफलता किसी एक की नहीं पूरे दल के प्रयास की परिणति होती है। वहीं कक्षा १२वीं विज्ञान संकाय में कमल चिमनानी ९१ प्रतिशत प्रथम, माही बोपचे ८३ प्रतिशत,वनी भगत ७४ प्रतिशत ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा १२वीं वाणिज्य संकाय में भूमिका परयानी ने ८४ अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ध्रुव सोहाने ८१ प्रतिशत और व्याख्या कासर ७५ प्रतिशत ने भी अनुकरणीय प्रदर्शन किया। विद्यालय की इस अद्वितीय सफलता पर विद्यालय समिति के सभी सदस्यों, अध्यक्ष डॉ भारती सुराना,काउंसलर श्रीमती किरण चौधरी, प्राचार्य ए पी नंदा ने विद्यालय के सभी शिक्षकों ,छात्रों और अभिभावकों को ह्रदय से बधाई और शुभकामनाएँ दी है।

बी आर मेश्राम ने समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का किया सम्मान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नगर सहित ग्रामीण आंचलों में स्थित बुद्ध विहार में भगवान बुद्ध की पूजा वंदन कर खीर प्रसादी का वितरण किया गया । इस अवसर पर ग्राम कौलीवाड़ा में समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को जिन्होंने कक्षा १० वीं एवं कक्षा १२वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें प्रति वर्ष अनुसार बी आर मेश्राम प्राचार्य के द्वारा बुद्ध वासी माता पिता की स्मृति में कुमारी स्नेहा चौरे ९१.६ कक्षा १२ वीं को 2000 रुपये नगद एवं ट्राफी,अतुल चौरे ७३ प्रतिशत कक्षा १२वीं को ट्राफी प्रदान की गई । कक्षा १० वीं के प्रतीक मेश्राम ७७ प्रतिशत को एक हजार रुपये नगद एवं ट्राफ ी, कुमारी सांची कामड़े को ट्राफ ी देकर सम्मानित किया गया । समाज के होनहार छात्र छात्राओं को शिक्षा एवं व्यवहारिक ज्ञान के प्रति समझ देकर बी आर मेश्राम ने अपनी अवधारणा भीड़ में खोवो मत अपनी अलग पहचान बनाओ से परिचित कराते हुए डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत एवं विवेकानंद के सिद्धांतों से अवगत कराया।

जंगली सूअर के आंतक से ग्रामीणों में आक्रोश

जंगली सूअर के हमले से बंसीलाल घायल अस्पताल में उपचार जारी

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोथुरना में जंगली सूअर के हमले से ४८ वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इसमें बताया जा रहा है कि बंसीलाल सैय्याम अपने खेत में साफ सफाई करने गया था तभी यह हादसा हो गया। घटना में जंगली सूअर के द्वारा घायल पर गंभीर रूप से हमला किया गया है जिसमें उसे गंभीर चोटे आई है। जिसका उपचार शासकीय सिविल अस्पताल में जारी है वहीं ग्रामीणों में इस घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। लगातार जंगली सूअर की संख्या बढ़ रही है और वह किसानों पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर रही है। परंतु वन विभाग के माध्यम से जंगली सूअर पर अंकुश लगाने के लिए कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि ग्राम में भय का वातावरण बना हुआ है।

खेत में काम करने गया था बंसीलाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंशीलाल पिता भोजलाल सैय्याम उम्र ४८ वर्ष कोथुरना निवासी किसान है। जिसके द्वारा खेती किसानी के माध्यम से अपने जीवन की आर्थिक स्थिति मजबूत कर जीवन व्यापन कर परिवार का पालन पोषण किया जाता है। जिसके खेत में रबी की फसल काटने के बाद वह अपने खेत को खरीफ की फसल के लिए तैयार करने गया था। जिसके लिए वह प्रतिदिन की तरह बुधवार को भी खेत में गया हुआ था। जहां पर उसके द्वारा सुबह १० बजे खेत में पहुंचकर खेत की साफ सफाई यानी खेत में स्थित कचरा एवं कांटा सहित लकड़ी को जमा किया जा रहा था। तभी खेत में रखें पैरे के ढेर में से अचानक जंगली सूअर निकल कर उस पर हमला कर दिया जो मौके पर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके चिल्लाने की आवाज सुन आसपास के लोग दौड़े जिस पर वह जंगली सूअर मौके से भाग गया। जिसके बाद खेत पड़ोसियों के द्वारा घटना की जानकारी घायल के परिवार को देककर उसे सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाकर भर्ती किया गया। जहां पर उसका उपचार जारी है इस हमले में घायल को कमर के नीचे पैर में गंभीर रूप से चोट लगी है और बहुत ज्यादा खून बहा है। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा जंगली सूअर और वन विभाग पर अपना आक्रोश व्यक्त किया जाता रहा।

खेत में काम करने गये मेरे पति पर जंगली सूअर ने किया हमला-ललिता सैय्याम

घायल की पत्नी ललिता सैय्याम ने बताया कि घायल मेरे पति है वह सुबह घर से खेत जा रहा हूं बोलकर निकले थे। मैं घर पर थी खरीफ की फसल लगाने के लिए खेत को तैयार कर रहे थे जिसके लिए वह खेत में काम करने गये थे। जहां पर खेत में फैला कचरा वह जमा कर रहे थे खेत में हमारे द्वारा पैरे का ढेर रखा है । जिसके अंदर पहले से जंगली सूअर बैठी रही होगी वह अचानक निकली और खेत में काम कर रहे मेरे पति पर हमला कर दिया। यह जानकारी हमें खेत पड़ोसियों के द्वारा बताई गई जिस पर हमने तत्काल से सिविल अस्पताल में लेकर आए हैं उपचार किया जा रहा है चोट बहुत गंभीर आई है।

जंगली सूअर के हमले से ग्रामीणजन परेशान है- बाराती उइके

ग्रामीण बाराती उइके ने बताया कि यह मेरे रिश्तेदार है मैं केरा रहता हूं मुझे जानकारी मिली तो मैं तत्काल इनके गांव ही पहुंचा था। जंगली सूअर के आतंक बहुत ज्यादा हो गया है बीते कुछ दिनों में यह तीसरी बार जंगली सूअर के द्वारा इनके गांव कोथुरना के किसानों को घायल किया गया है। बहुत ज्यादा जंगली सूअर की संख्या बढ़ गई है खेत तालाब नाले सहित विभिन्न स्थानों पर यह छिपे हुए रहते हैं जो कही से भी किसानों पर हमला कर देते हैं। वर्तमान में कोथुरना में बहुत ज्यादा डर बना हुआ है लोग खेतों के तरफ सामूहिक रूप से जा रहे हैं वन विभाग को इन जंगली सूअर पर अंकुश लगाना चाहिए।

आईडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी सीबीएसई का रिजल्ट रहा सराहनीय

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। आईडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी सीबीएसई का कक्षा दसवी एवं कक्षा बारहवी का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। कक्षा दसवी में १०० प्रतिशत ,वहीं कक्षा बारहवी में भी छात्रों ने अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरान्वित किया है । कक्षा दसवी में आदित्य आशपुरे ने ९२.२ प्रतिशत , नंदनी बीरनवार ९१.६० प्रतिशत , खुशी हेडाऊ ९०.२० प्रतिशत , अंशिका गौतम ९० प्रतिशत ,यशिका जैन ८४.२ प्रतिशत , मानवी उके ८३.२ प्रतिशत , रूद्रप्रताप सिंग ८३.४ प्रतिशत , तीर्थ ठाकुर ८२.६ प्रतिशत , आदित्य रूसिया ८१.८ प्रतिशत , मंतशा अली ८० प्रतिशत , वंश कटरे ७९.४ प्रतिशत , धनवी ऐरपुडे ७८.८प्रतिशत , पीयूष भगत ७७.२ प्रतिशत , शौर्या ठाकरे ७७ प्रतिशत , तन्मय जामरे ७६.८ प्रतिशत , गौरव बघेल ७४.२ प्रतिशत , यशवर्धन दमाहे ७३.२ प्रतिशत , शिवम ओचानी ७३.६ प्रतिशत , समृद्धि रूसिया ७३.६ प्रतिशत , प्रज्ञा खाण्डेलकर ७३.६प्रतिशत तथा कक्षा बारहवी में विज्ञान संकाय की छात्रा गीत कटरे ७४ प्रतिशत , आयूषी रूसिया ७३.४ प्रतिशत , निकिता गौतम ७२.२ प्रतिशत अंक प्राप्त किया। सभी अभिभावकों, शिक्षकों तथा छात्रों में खुशी की लहर भी व्याप्त है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता तथा विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां: सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक म ?बूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फर्ज है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है। आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है।

शौर्य और शांति से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है लेकिन इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत को अब इसपर भी देना होगा आखिर रूस नुन्ट्रल क्यों रहा उसे आपके साथ खड़ा रहना चाहिए चीन और तुर्की से सभी व्यापार व वहाँ चल रहे प्रोजेक्ट को रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए अब जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए उसके प्रवक्ता ने साफ मना किया की कौन से अस्त्र व जेट का इस्तेमाल किया टीवी पर वाद विवाद करने से कोई दूसरा देश इसका फायदा उठा सकता है विवेक से शांति से काम करना ही आज सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि वाद विवाद से एक देश दूसरे देश पर प्रहार करते हैं और फिर जो बताना उचित नहीं है उससे जनता मे कहीं खुशी होती है और कहीं रोष भी होता है जो हुआ वह भारत की एकता और सेना के हिम्मत और मेहनत से हुआ आतंकवादी को जड़ से खत्म तभी हो सकता है जब अंतराष्ट्रीय मंच पर सभी देश मे एकजुटता हो अभी आतंक से सतर्क रहने की जरुरत है क्योंकि इजराइल भी आतंकवादी से परेशान है और अभी भी खत्म नहीं कर पा रहा है इसका अंत विश्व पटल पर ही कठोर निर्णय से हो सकता है भारत को अभी और रक्षा में मजबूती की जरुरत है क्योंकि एक तरफ चीन उसका साथ देता है और धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी मुस्लिम भाई भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मात्रभूमि के लिए लड़ना और मरना, अत: संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात् प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।रूस और यूक्रेन के युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है और लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में यूक्रेन व रूसी सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 2साल से अधिक समय से चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान मेँ भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के वक्तवय व ताईवान की सीमा पर चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास से नजर आ रहा है दोनों देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है अत: आज विश्व मेँ परमाणु हमले का खतरा मंडरा रहा है जिसके शिकार निर्दोष जनता को भुगतना पड़ सकता है इसके अलावा जो आस पास के देश होंगे वहां भी एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार

झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये नि:शस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में नि:शस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना प ?ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु नि:शस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है। वहाँ परिवार और समाज में स्नेह, आत्मीयता,भाईचारे की भावना के साथ सहयोग एवं सहानुभूति कर संकल्प लिया जाय तो इन्सान का जीवन स्वर्गमय बन सकता है।

- संजय गोरवामी

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु ?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

ट्रोलर्स के सामने बेबस आईएएस-आईपीएस ?

भारतीय संविधान के अनुसार देश की प्रशासनिक व्यवस्था (कार्यपालिका) के प्रमुख स्तंभ आईएएस और आईपीएस अधिकारी इतने बेबश होंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। लोकतंत्र के स्तंभ अधिकारी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आम नागरिक किस हालत मे रह रहे होंगे। इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। हाल ही में विदेश सचिव विक्रम मिशरी उनकी बेटी और उनके परिवार जनों पर जिस तरह से ट्रोलरों द्वारा उनके ऊपर हमला किया। ट्विटर अकाउंट पर उन्हें गद्दार, देशद्रोही और ऐसे ऐसे शब्दों से उन्हें और उनके परिवार को नवाजा गया। उससे वह इतने हताहत और भयभीत हुए, उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट को प्राइवेट कर दिया। कुछ इसी तरह की घटना हिमांशी नरवाल के साथ हुई थी। उनके पति सेना में थे, कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। पहलगाम हनीमून मनाने गए थे, वहां आतंकी घटना में उनके पति की आतंकियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। हिमांशी ने कश्मीर के लोगों के बारे में बताते हुए कहा, कश्मीरियों ने घटना के बाद सबकी मदद की है। उनकी इतना कहते ही सोशल मीडिया पर ट्रोलरों ने सेना के अधिकारी की विधवा हिमांशी पर हमला करते हुए उसे जिस तरीके से अपमानित किया है। सारे देश ने वह देखा है। सोशल मीडिया के ट्रोलर्स जिन्हें सत्ताधारी राजनीतिक दल का संरक्षण प्राप्त है। वह सत्ताधारी दल की विचारधारा के विपरीत यदि कोई बात कह देता है, तो उसे देशद्रोही, गद्दार, पाकिस्तान चले जाओ और तरह-तरह के ऐसे शब्दों से नवाजा जाता है। जिसे ट्रोल किया गया है वह डर तथा भय के कारण शांत होकर बैठ जाता है। सरकार और प्रशासन द्वारा इन ट्रोलरों को नजर अंदाज कर दिया जाता है। ट्रोलिंग की इस अराजक संस्कृति ने संविधान प्रदत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का लाभ उन परिवारों को निशाना बनाने के लिये किया जाता है, उनकी व्यक्तिगत गरिमा को चोट पहुंचाई जाती है। व्यक्तिगत कार्यशैली और निष्पक्षता पर भी सवालिया निशान लगाकर सोशल मीडिया में अपमानित किया जा रहा है। उसके बाद भी ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं होना आश्चर्य का विषय है। कार्यवाही करने की जिम्मेदारी आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के ऊपर है। वह निंदा तो कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। इससे समझा जा सकता है हमारा प्रशासनिक तंत्र राजनेताओं के सामने किस तरह से बेबस है। भारतीय संविधान में नागरिकों को जो मौलिक अधिकार मिले हैं। वह कानून की किताबों में तो सुरक्षित हैं, वास्तविकता उसके ठीक विपरीत है। ट्रोल आर्मी द्वारा कई वरिष्ठ अधिकारियों का सोशल मीडिया पर घोर अपमान और निराधार आरोप लगाकर समय-समय पर ट्रोल किया गया है। ट्रोलर्स उन्हें भी राजनीतिक एजेंडे से जोड़ते हैं। उनके निजी जीवन में झाँकते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के निर्णयों और कार्यवाही को पक्षपातपूर्ण ठहराते हैं। यह सिलसिला तब खतरनाक हो जाता है। जब सत्ता पक्ष के समर्थक संगठित रूप से अधिकारियों, पत्रकारों, राजनैतिक दलों के नेताओं और आमजनों को निशाना बनाते हैं। यह स्थिति मनोबल गिराने और भय फैलाने का काम करती है। स्वतंत्र प्रशासनिक निर्णयों में बाधा डालने के रुप में इसे देखा जाता है। सबसे चिंताजनक बात यह है, इस तरह की ट्रोलिंग सुनियोजित रूप से कई वर्षों से की जा रही है। बॉट्स एप, फेक आईडी और संगठित रूप से आईटी सेल की भूमिका सामने आई है। जब सजग अधिकारी अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए निष्पक्ष रूप से कार्यवाही करता है या भ्रष्टाचार- पक्षपात के खिलाफ कड़े कदम उठाता है। तो उसका विरोध ट्रोलिंग के रूप में सामने आता है। कई मामलों में परिवार को भी निशाना बनाया जाता है। परिवार सहित लोग मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिससे उनके कार्य पर विपरित प्रभाव पड़ता है। डर और भय के कारण वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन भी नहीं कर पाते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अधिक जिम्मेदार बनाना होगा। शासन और प्रशासन को बिना किसी भेदभाव के साइबर लॉ को सख्ती से लागू करना होगा। सरकार को ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए कदम उठाने होंगे। संविधान ने अधिकारियों की जिम्मेदारी कानून के रुप में तय की है। संविधान के प्रति उनकी भी जवाबदेही है यदि वही अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाएंगे, तो भगवान ही मालिक है। ट्रोलिंग के इस जहरीले जाल से प्रशासनिक, न्यायिक सेवा और आम नागरिकों को बचाना है, तो समाज, सरकार और न्यायपालिका को मिलकर इसके लिये ठोस पहल करनी होगी। अधिकारियों को निर्भीक होकर काम करना होगा। अधिकारी यदि अपने ही सम्मान, कर्तव्य और अधिकारौं पर ध्यान नहीं देंगे। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रख पाना केवल हवा हवाई होगा। सोशल मीडिया की आज़ादी अभिव्यक्ति का माध्यम है। इसे किसी भी नागरिक की गरिमा को रौंदने का हथियार नहीं बनना चाहिए। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों ने घटना की निंदा की है। उनके पास कार्यवाही करने के जो अधिकार थे, उन अधिकारों का प्रयोग उन्होंने क्यों नहीं किया।

सनत जैन

महान रेडियोधर्मिता वैज्ञानिक-पियरे क्यूरी

पियरे क्यूरी का जन्म 15 मई, 1859 को पेरिस में हुआ था, जहाँ उनके पिता एक सामान्य चिकित्सक थे, । सोरबोन में विज्ञान संकाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही प्राप्त की। उन्होंने 1878 में भौतिकी में अपना लाइसेंस प्राप्त किया और 1882 तक भौतिकी प्रयोगशाला में एक प्रदर्शक के रूप में काम करते रहे, जब उन्हें भौतिकी और औद्योगिक रसायन विज्ञान स्कूलों में सभी व्यावहारिक कार्यों का प्रभारी बनाया गया। 1895 में उन्होंने डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की और भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त किए गए। उन्हें 1900 में विज्ञान संकाय में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया और 1904 में वे टाइटिलर प्रोफेसर बन गए। क्रिस्टलोग्राफी पर अपने शुरुआती अध्ययनों में, अपने भाई जैक्स के साथ, क्यूरी ने पीजोइलेक्ट्रिक प्रभावों की खोज की। बाद में, उन्होंने कुछ भौतिक घटनाओं के संबंध में समरूपता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और चुंबकत्व पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने दिखाया कि किसी दिए गए पदार्थ के चुंबकीय गुण एक निश्चित तापमान पर बदल जाते हैं - इस तापमान को अब क्यूरी बिंदु के रूप में जाना जाता है। अपने प्रयोगों में सहायता के लिए उन्होंने कई उपकरण बनाए - तराजू, इलेक्ट्रोमीटर, पीज़ोइलेक्ट्रिक क्रिस्टल, आदि।क्यूरी ने रेडियोधर्मी पदार्थों के अध्ययन अपनी पत्नी के साथ मिलकर किए, जिनसे उन्होंने 1895 में विवाह किया था। वे बहुत कठिनाई की परिस्थितियों में प्राप्त किए गए थे - प्रयोगशाला की पर्याप्त सुविधाएँ नहीं थीं और अपनी आजीविका कमाने के लिए बहुत अधिक शिक्षण करने के तनाव में थे। उन्होंने 1898 में पिचब्लेंड के विभाजन द्वारा रेडियम और पोलोनियम की खोज की घोषणा की और बाद में उन्होंने रेडियम और इसके परिवर्तन उत्पादों के गुणों को स्पष्ट करने के लिए बहुत कुछ किया। इस युग में उनके काम ने परमाणु भौतिकी और रसायन विज्ञान में बाद के अधिकांश शोधों का आधार बनाया। 1903 में उन्हें बेक्केरेल द्वारा खोजे गए स्वत:स्फूर्त विकिरण पर उनके अध्ययन के कारण भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार का आधा हिस्सा दिया गया, जिसे पुरस्कार का दूसरा आधा हिस्सा दिया गया।उनकी पत्नी पूर्व में मैरी स्क्लोडोव्स्का थीं, जो पोलैंड के वारसॉ में एक माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक की बेटी थीं। एक बेटी, आइरीन ने फ्रेडरिक जोलियट से शादी की और वे 1935 में रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार के संयुक्त प्राप्तकर्ता थे। छोटी बेटी, ईव ने अमेरिकी राजनयिक एच.आर. लैबौइस से शादी की। वे दोनों सामाजिक समस्याओं में गहरी रुचि रखते थे, और संयुक्त राष्ट्र के बाल कोष के निदेशक के रूप में उन्होंने 1965 में ओस्लो में इसकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त किया। वह अपनी मां मैडम क्यूरी (गैलीमार्ड, पेरिस, 1938) की एक प्रसिद्ध जीवनी की लेखिका हैं, जिसका कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है।पियरे क्यूरी एक फ्रांसीसी भौतिक रसायनज्ञ थे, जिन्होंने 1903 में अपनी पत्नी मैरी क्यूरी के साथ भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार जीता था। उन्होंने और मैरी ने रेडियोधर्मिता की अपनी जांच में रेडियम और पोलोनियम की खोज की। एक प्रतिष्ठित भौतिक विज्ञानी, वे आधुनिक भौतिकी के प्रमुख संस्थापकों में से एक थे। अपने चिकित्सक पिता द्वारा प्रशिक्षित, क्यूरी ने 14 वर्ष की आयु में गणित के प्रति प्रेम विकसित किया और स्थानिक ज्यामिति के लिए एक निश्चित योग्यता दिखाई, जिसने बाद में क्रिस्टलोग्राफी में उनके काम में उनकी अच्छी सेवा की। 16 वर्ष की आयु में मैट्रिकुलेशन और 18 वर्ष की आयु में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद, 1878 में उन्हें सोरबोन में प्रयोगशाला सहायक नियुक्त किया गया। वहाँ क्यूरी ने अपना पहला काम थर्मल तरंगों की तरंग दैर्ध्य की गणना करना किया। इसके बाद क्रिस्टल के अधिक महत्वपूर्ण अध्ययन हुए, जिसमें उन्हें उनके बड़े भाई जैक्स ने सहायता की। समरूपता के नियमों के अनुसार क्रिस्टलीय पदार्थों के वितरण की समस्या उनके प्रमुख कार्यों में से एक थी। क्यूरी बंधुओं ने पायरोइलेक्ट्रिसिटी की घटना को उस क्रिस्टल के आयतन में परिवर्तन से जोड़ा जिसमें यह दिखाई देता है, और इस प्रकार पीजोइलेक्ट्रिसिटी की खोज की। बाद में पियरे ने तुल्यता का सिद्धांत तैयार किया, जिसमें कहा गया है कि किसी दी गई भौतिक प्रक्रिया को ऐसी अवस्था में लाना असंभव है जिसमें प्रक्रिया की विषमता के एक निश्चित छोटे तत्व का अभाव हो। इसके अलावा, यह विषमता प्रभाव में नहीं पाई जा सकती है यदि यह कारण से पहले न हो। उन्होंने विभिन्न भौतिक अवस्थाओं की तुल्यता का वर्णन किया।पियरे और मैरी क्यूरी अपनी बेटी आइरीन थीपेरिस में इकोले डेस फिजिक्स एट डी केमी इंडस्ट्रियल के निदेशक (1882) नियुक्त होने के बाद, क्यूरी ने अपना शोध फिर से शुरू किया और अंतिम भार को सीधे पढ़कर एक अप्रतिवर्ती संतुलन बनाकर विश्लेषणात्मक संतुलन को पूर्ण करने में सक्षम थीं। फिर उन्होंने चुंबकत्व पर अपना प्रसिद्ध अध्ययन शुरू किया। उन्होंने यह पता लगाने के उद्देश्य से एक डॉक्टरेट थीसिस लिखने का बीड़ा उठाया कि क्या तीन प्रकार के चुंबकत्व के बीच कोई संक्रमण था- फेरोमैग्नेटिज्म, पैरामैग्नेटिज्म और डायमैग्नेटिज्म। चुंबकीय गुणांकों को मापने के लिए, उन्होंने 0.01 मिलीग्राम वजन का एक मरोड़ संतुलन बनाया, जो अभी भी उपयोग में है और इसे क्यूरी संतुलन कहा जाता है। उसने पाया कि पैरामैग्नेटिक निकायों के आकर्षण के चुंबकीय गुणांक निरपेक्ष तापमान के साथ व्युत्क्रमानुपाती रूप से भिन्न होते हैं - क्यूरी का नियम। फिर उन्होंने पैरामैग्नेटिक निकायों और पूर्ण गैसों के बीच और परिणामस्वरूप, फेरोमैग्नेटिक निकायों और घने तरल पदार्थों के बीच एक सादृश्य स्थापित किया। क्यूरी द्वारा प्रदर्शित अनुचुम्बकत्व और प्रतिचुम्बकत्व के पूरी तरह से अलग चरित्र को बाद में पॉल लैंग्विन ने सैद्धांतिक रूप से समझाया था। 1895 में क्यूरी ने चुंबकत्व पर अपने थीसिस का बचाव किया और विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।1894 के वसंत में क्यूरी की मुलाकात मैरी स्कोलोडोस्का से हुई और उनके विवाह (25 जुलाई, 1895) ने एक विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक सफलता की शुरुआत की, जिसकी शुरुआत (1898 में) पोलोनियम और फिर रेडियम की खोज से हुई। हेनरी बेक्केरेल द्वारा खोजी गई (1896) रेडियोधर्मिता की घटना ने मैरी क्यूरी का ध्यान आकर्षित किया मैरी के साथ पिघली हुई धातुओं से शुद्ध तत्वों को निकालने के लिए काम करते हुए, एक ऐसा कार्य जिसके लिए निश्चित रूप से औद्योगिक संसाधनों की आवश्यकता थी लेकिन पारंपरिक परिस्थितियों में प्राप्त किया जा सकता था, पियरे ने खुद को नए विकिरणों के भौतिकी (ऑप्टिकल और रासायनिक प्रभावों सहित) के अध्ययन के लिए समर्पित कर दिया। रेडियम द्वारा उत्सर्जित विकिरण पर चुंबक की क्रिया द्वारा, उन्होंने सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ कणों के अस्तित्व को साबित किया; इन्हें बाद में अर्नेस्ट रदरफोर्ड ने अल्फा, बीटा और गामा किरणें कहा। पियरे ने फिर कैलोरीमेट्री द्वारा इन विकिरणों का अध्ययन किया और रेडियम के शारीरिक प्रभावों को भी नोट किया, इस प्रकार रेडियम थेरेपी का रास्ता खुल गया।मैरी के साथ अपना काम जारी रखने के लिए जिनेवा विश्वविद्यालय की कुर्सी को ठुकराते हुए, पियरे क्यूरी को सोरबोन में व्याख्याता (1900) और प्रोफेसर (1904) नियुक्त किया गया। उन्हें एकेडमी ऑफ साइंसेज (1905) के लिए चुना गया, और 1903 में उन्हें और मैरी को संयुक्त रूप से रॉयल सोसाइटी का डेवी मेडल और बेक्केरेल के साथ भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला। 1906 में पेरिस में रुए डौफिन पर एक ट्रेन ने उन्हें कुचल दिया और उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। उनकी संपूर्ण रचनाएँ 1908 में प्रकाशित हुईं। पियरे और मैरी की बेटी, इरेन जोलियट-क्यूरी (जन्म 1897) ने अपने पति, फ्रेडरिक जोलियट-क्यूरी के साथ 1935 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीता। पियरे क्यूरी, जिन्हें रेडियोधर्मिता के क्षेत्र में उनके शोध साथी और पत्नी मैरी क्यूरी के साथ सह-योगदान के लिए भौतिकी में नोबेल पुरस्कार विजेता के रूप में जाना जाता है, 1906 में पेरिस में एक सड़क दुर्घटना में अचानक मृत्यु हो गई। दुखद रूप से, उनकी खोपड़ी एक घोड़ागाड़ी के पहिये के नीचे कुचल गई थी।19 अप्रैल 1906 को 46 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई,आज पियरे क्यूरी को रेडियोधर्मिता के आविष्कार के महान योगदान लिए के लिए जाना जाता है।

- संजय गोस्वामी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। नये मालों की आवकों के मद्देनज़र गुरूवार को दलहनों में मूंग बाजार मंदी के रहे। चना व मसूर में भी सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा देखा गया। तिलहनों में सरसो-रायडा बना रहा। किराना जिंसों में सौंफ व जीरे में लिवाली सुस्त देखी गयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में नये मालों की आवकों को देखते हुए बाजार मंदी में है। चने व मसूर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। उधर, किराना जिंसों में सौंफ व जीरे में लिवाली ठंडी रहने से भावों में सुस्ती आयी। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4120-4200, खोपरा गोला 210-245, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1050-1200, क्लीन 1220-1330, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1600-1750, बेस्ट 1850-2000, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-1000, काजू (320) 825-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-820, जे.एच. 850-870, टुकड़ी 800-840, बादाम मगज 820-835, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2550, (160) 2850-2900, (200) 3250-3300, (250) 3250-3300

तेल- सींगदाना 1360-1380, मुम्बई 1390, राजकोट तेलिया 2160, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1235,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1240, मुम्बई सोया 1285,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6500, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5200-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 63000-6350, एवरेज 6250-6300, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8100-8200, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। विश्व बाजार में बनी गिरावट के चलते बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 97100, चाँदी (99) 97000, टंच 96400, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 95400,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय बाजार दो पैसे की बढ़त के साथ ही 85.28 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलावार को को भारतीय रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ ही 85.30 पर बंद हुआ। गत दिवस सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 74 पैसे मजबूत होकर 84.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय परिसंपत्तियों में विदेशी निवेशकों की निरंतर रुचि ने स्थानीय मुद्रा को मौलिक समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.70 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.74 पर लुढ़क गया। हालांकि, यह फिर वापसी करता हुआ 84.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 74 पैसे की बढ़त दिखाता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है, लेकिन आपकी सेहत में गिरावट आने से आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा। आपको व्यापार में भी भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। अध्यात्म के कामों में आपकी पूरे रुचि रहेगी और आप दान-धर्म के कामों में भी अच्छा खासा धन लगाएंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को आसानी से पूरा कर सकेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए बहुत ही सूझबूझ दिखाकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको अपने डेली रूटीन को बेहतर बनाए रखने की आवश्यकता है। कामकाज में आपको स्पष्टता बनाए रखनी होगी। जीवनसाथी से चल रही अनबन को लेकर भी आप उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई मन की बात कहने का मौका मिलेगा।

मिथुन- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और आप अपने आवश्यक कामों को तेजी से निपटाने की कोशिश करेंगे। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। आप कहीं घूमने फिरने जाएंगे, तो सबको साथ लेकर जाने की कोशिश करेंगे। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई बेहतर अवसर हाथ लग सकता है। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपका आत्मविश्वास मजबूत होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बजट बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपको उधार के लेनदेन पर नियंत्रण बनाकर रखने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी लोगों से मेल-मिलाप अच्छी रहेगी और बॉस से भी आपको काफी बेहतर लाभ मिलेंगे। आप किसी से कोई वादा बहुत ही सोच समझ कर करें। आपको किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी प्रतिभा से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। संतान ने यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लिया था, तो उसमें उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आपके मन में किसी बात को लेकर यदि संशय बना हुआ है, तो आप उस काम को बिल्कुल ना करें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको बड़ों की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी के दबाव में आकर कोई निर्णय न लें। परिवार में आपसी समानता की कमी रहने के कारण लड़ाई झगड़े बढ़ेंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपको किसी बात को लेकर जिद और अहंकार दिखाने से बचना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। बंधु बंधुत्वों से आपकी खूब पटेगी। आप व्यर्थ की चर्चा में पड़ने से बचें। आप अपने परिवार के किसी सदस्य से काम को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी आपको कार्यक्षेत्र में छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपने घरेलू मामलों को घर में ही सुलझा लें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपका किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आप अपनी जीवनशैली को आकर्षक बनाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। श्रेष्ठ कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा, जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आप कुछ नए लोगों से बातचीत रखेंगे। आपकी स्मरण शक्ति बढ़ेगी। आपको अपनी इनकम पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप अपने जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए अच्छा धन खर्च करेंगे। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। आप परिवार में किसी सदस्य से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आप अपने महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी आपका पूरा साथ देंगे। आपको कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपकी इनकम बढ़ने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको किसी दूसरे के मामले में कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखना होगा।

मीन- आज आप अपने कामों को लेकर काफी सक्रिय रहेंगे और व्यापार में भी आप अपनी बुद्धि से कोई ऐसा निर्णय लेंगे, जिससे लोग हैरान रहेंगे। आप अपने पैतृक संपत्ति संबंधित कामों को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना बरतें। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी। आपकी किसी नए काम को करने की रुचि जागृत हो सकती है। आप यदि जीवनसाथी से काम को लेकर सलाह लेंगे, तो वह आपके खूब काम आएगी।

शब्दजाल - 7899

शब्द जाल में नेशनल अवार्ड विजेता 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.

मिर्जा गालिब, दो आंखें बारह हाथ, अनुराधा, शहर और सपना, तीसरी कसम, मृगया, शोध, दामुल, बाघ बहादुर, समर.

स	म	र	यु	दा	प	र	तू	ग	झ	दो
ज	अ	ल	प	मु	रिं	शो	ना	दि	शा	आं
अं	इ	नु	म	ल	दा	ल	ध	र	ला	खें
ती	कु	दा	रा	धा	ब	क	प	रि	श	बा
स	ति	श	न	धा	क	ब	री	ग	वी	र
री	रं	ल	प	व	लि	र्त	ऐ	ती	प	ह
क	गा	ल	श	गा	प	म	क्रां	कौ	या	हा
स	बा	अ	र्जा	त	क	छ	प्प	ग	श	थ
म	स	मि	तें	व	न	ज	मृ	शा	जू	द
द	र	ल	श	ह	र	औ	र	स	प	ना
थो	झ	सा	रु	बा	घ	ब	हा	दु	र	क

शब्दजाल - 7898 का हल

बं	म	स	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	व	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	मे	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	व
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	मि	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6843

1		2	■	3	4	■	5		6
	■	7	8	■	9			■	
10		■	11			■	12	13	■
	■	14		■	■	15	■		■
■	16		■	17	■	18	19		20
21	■	22	23		24	■		■	
25		■		■	26		■	27	
	■	28	■	29	■	■	30		■
31	32		■		■	33		■	34
■	35				■	■	36		

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6842

खु	शी	■	शो	■	द	ग़	र	■	फ
दा	■	प	र	ख	■	जे	■	ख	की
ग	द	र	■	त	ला	श	■	■	ग
वा	■	दे	व	र	■	ख	ली	फा	■
ह	व	स	■	ना	■	त्रा	■	गु	स
■	क्त	■	नौ	क	र	■	आ	न	■
गु	■	ग़	ज	■	च	र	स	■	बा
म	स्त	■	वा	स	ना	■	ग	जा	जी
ना	■	जा	न	स	■	सु	■	■	ग
म	ञ्ञा	ल	■	र	फ्ता	र	■	ड	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

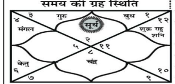

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.22 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	07.20 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.33 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.01 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.12 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.27 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.43 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.48 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	00.35 बजे से
		मीन	02.07 बजे से
		मेष	03.38 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 135 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** ज्येष्ठा 14.08 बजे को समाप्त। **योग** शिव 07.02 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 15.19 बजे तदनन्तर विष्टि 04.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 53' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872345 **जूलियन दिन** 2460810.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 16 **विशेष** वृषभ संक्रांति।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः वशीकरण मंत्र

एक शिष्य अपने गुरू के पास जाकर विनीत भाव से बोला- गुरुदेव ! आप मुझे ऐसा मंत्र दें ताकि देवता मेरे वश में हो जाएं। गुरु ने कहा- जरूर दे दूंगा, पर पहले यह बताओ कि क्या तुम्हारे घर के नौकर-चाकर वश में है। वह बोला- वे तो सब कामचोर हैं। काम न करने का बहाना ढूंढते रहते है। क्या परिवार वाले तुम्हारे वश में हैं? नहीं, सब स्वार्थी हैं। तुम्हारी पत्नी तो तुम्हारे वश में है? कहां है गुरूदेव ! मैंने अपनी पत्नी से कहा- एक हफ्ते बाद पीहर चली जाना। मगर मेरे मना करने पर भी कल अपनी मां से मिलने चली गई। चलो, सबको जाने दो। मुझे यह बताओ कि तुम्हारा अपना मन तो तुम्हारे वश में होगा ही। नहीं गुरुदेव ! मन वश में कहां है। यह तो बड़ा चंचल है। एक स्थान पर स्थिर होता ही नहीं है। गुरु ने कहा- अरे भाई ! जब परिवार, नोकर, पत्नी तेरे मन भी तेरे वश में नहीं है तो देवता तुम्हारे वश में कैसे होंगे? सबसे पहले तुम अपने मन को वश में करों। मन जिसके वश में हो जाता है, देवता भी उसको नमम करते है।

सूडोकु नवताल- 7152

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7151 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 8367

1		■	2	3		■	4	5
	■	6			■	7		
■	8			■	9			■
10			■	11			■	12
13		■	14			■	15	
	■	16			■	17		
■	18			■	19			■
20			■	21			■	22
23		■	24			■	25	

बाएँ से दाएँ

1. जी,इच्छा,चित्त-2
2. तन,बदन,देह-3
4. अग्निदग्ध-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा,सम्राट-3
10. वचन,प्रतिज्ञा-3
11. तरंग,हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सद्पुरुष-2
16. पाठ,शिक्षा-3
17. कर्ता,कार्य करने वाला-3
18. इज्जत,मान,सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन,प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन,लेखनी-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राय,वोट,अभिप्राय-2
2. लाज.लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया,जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध,नाजायज-3
7. निगाह,दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम,मदद-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. लगन,जिद,उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान,तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी,इच्छा,चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह,बदन-2

शब्द पहेली -8366 का हल

सा	ध	■	प	ना	ह	■	शा	न
त	र	ह	■	क	व	च	■	शा
■	ती	र	थ	■	स	प	ना	■
घ	■	म	का	न	■	ल	च	क
रा	ख	■	न	ज	र	■	ना	म
ना	र	द	■	ला	क	र	■	र
■	ल	ह	र	■	म	वा	ली	■
रा	■	न	क	ल	■	ना	प	ना
ज	रा	■	म	त	ली	■	ना	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले जुले संकेतों के बीच ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 182 अंक बढ़कर 81,330.56 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89 अंक करीब 0.36 फीसदी ऊपर आकर 24,666.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एमएंडएम के शेयर ऊपर आये जबकि एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड कॉर्प, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर गिरे। निफ्टी पर टाटा स्टील, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सिप्ला, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी के शेयर नुकसान में रहे। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी का उछाल आया। आज एफएमसीजी और बैंक शेयरों को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त पर रहे, जिसमें रियल्टी, ऑयल एंड गैस, आईटी और मेटल इंडेक्स में 1-2 फीसदी की तेजी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह आईटी और स्टील स्टॉक्स में बढ़त रही जिससे भी बाजार उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयर में तेजी से भी बाजार में उत्साह आया। आज सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 81,278.49 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,613.80 अंक पर खुला। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। आज सुबह धातु शेयरों में तेजी रही। अमेरिका के सुरक्षा शुल्क लगाए जाने से भारत और अमेरिका के बीच 7.6 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित होगा, जिस पर अमेरिका का शुल्क संग्रह 1.91 अरब डॉलर होगा। इसी के अनुसार भारत की रियायतों के निलंबन के बाद अमेरिका के उत्पादों पर भी समान शुल्क वसूला जाएगा। इसके कारण भी धातु शेयरों में बढ़त रही। वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिश्रित कारोबार हुआ। जापान का निक्केई 225 0.57 फीसदी गिरा जबकि टॉपिक्स में 1.05 फीसदी की गिरावट रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.67 फीसदी ऊपर रहा और कोसडैक 0.02 फीसदी की बढत के साथ स्थिर रहा। ऑस्ट्रेलिया का बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.1 फीसदी की गिरावट के साथ नकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ स्थिर रहा।

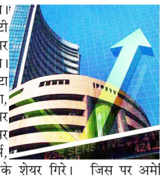

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का असर

नई दिल्ली। अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए। रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत रही।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। होलसेल प्राइस इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

भारत-पाक तनाव के चलते एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही पर थी रोक

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चले सैन्य संघर्ष के दौरान देश के कई एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स की आवाजाही बंद हो गई थी और अब 13 मई तक इस पर रोक थी, लेकिन अब सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एयरलाइन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में हवाई अड्डे बंद होने के कारण उड़ानों में व्यवधान, विमान ईंधन पर कर में कटौती और अन्य मुद्दों पर बातचीत की। नायडू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी एयरलाइंस के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान एयरलाइंस को 15 मई से सभी 32 हवाई अड्डों पर अपने नियमित उड़ान कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने को कहा है। नायडू ने कहा कि सभी एयरलाइंस ने इन हवाई अड्डों पर उड़ानें दोबारा शुरू करने के सुझाव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। सरकार ने पिछले हफ्ते पाकिस्तान के साथ सीमा पर पैदा हुए तनाव को देखते हुए देश के 32 हवाई अड्डों पर असैन्य उड़ानों का संचालन रोकने के लिए 'नोटिस टु एयरमेन' जारी किया था। हालांकि, दोनों देशों के बीच सीजफायर के बाद से हालात सामान्य होने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिविल एविएशन मिनिस्टर ने इस बैठक में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सशस्त्र बलों के योगदान के लिए आभार जताने के तरीकों पर एयरलाइंस को विचार करना चाहिए जिसमें उड़ान के दौरान घोषणाएं भी शामिल हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि कुछ एयरलाइंस ने हवाई अड्डों के बंद होने के दौरान वीजीएफ में हुए नुकसान का जिक्र किया है। क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत उड़ानें संचालित करने वाली एयरलाइंस को वीजीएफ दिया जाता है। इसके अलावा एयरलाइंस ने विमानन ईंधन पर कर राहत देने की भी सरकार से मांग की है।

कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर लांजी एसडीएम ने एक पटवारी को किया निलंबित

दूसरे पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव 12 मई को लांजी में 64 सुरक्षा जवानों के क्रम से पूर्व पदोन्नति कार्यक्रम को लेकर आगमन हुआ था, जिसको लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां कर समस्त विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को चिन्हित स्थलों पर उनकी तैनाती की गई। इसी प्रकार हेलीपैड स्थल पर भी अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी के आदेश पर ड्यूटी लगाई गई थी।जिस पर नायब तहसीलदार कार्यपालिक मजिस्ट्रेट संजय बारस्कर को प्रतिवेदन किया गया था। जिसमें पाया गया कि पटवारी शुभम बिसेन जो की मुख्यमंत्री के आगमन के पूर्व उक्त स्थल पर मौजूद थे किंतु आगमन के दौरान पटवारी शुभम बिसेन द्वारा बिना किसी अपने उच्च अधिकारी को सूचना दिए उक्त कार्यक्रम स्थल हेलीपैड ग्राउंड से अनुपस्थित पाए जाने पर पटवारी शुभम बिसेन को मोबाइल से संपर्क किया गया। पटवारी शुभम बिसेन को कर्तव्य स्थल हेलीपैड पर बुलाने के बावजूद भी अपने कार्यस्थल पर मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रस्थान होने तक भी उपस्थित नहीं हुआ।जिस पर उनके वरिष्ठ अधिकारी के आदेशों एवं निर्देशों का उल्लंघन किया जाना पाया गया जो कि उनके कर्तव्य कोई विपरीत है। इस लापरवाही का दोषी मानते हुए मध्य प्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियम 1965 के नियम 03 (सामान्य)में दिए गए प्रावधानों के तहत लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा हल्का पटवारी उमरी शुभम बिसेन राजस्व निरीक्षक मंडल भानेगांव लांजी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

कार्य स्थल से अनुपस्थित रहने पर जारी किया कारण बताओं नोटिस

लांजी में 12 मई को मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर हुई तैयारी में कर्मचारियों के लापरवाही देखी गई। मुख्यमंत्री आगमन के दौरान कार्यक्रम स्थल हेलीपैड में राजस्व विभाग के द्वारा अपने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी जिसमें पाया गया कि पटवारी अभिषेक तिवारी मुख्यमंत्री के आगमन के पूर्व उक्त स्थल पर उपस्थित थे, किंतु आगमन के दौरान अभिषेक तिवारी पटवारी कार्यक्रम स्थल से अपने वरिष्ठ अधिकारी को बिना सूचना दिए बगैर कार्यक्रम स्थल हेलीपैड ग्राउंड से अनुपस्थित पाए गए जिस पर नायब तहसीलदार संजय भास्कर के द्वारा अभिषेक तिवारी पटवारी से मोबाइल पर संपर्क किया गया जिस पर पटवारी को कर्तव्य स्थल पर बुलाने से विलंब से उपस्थित होना पाया गया।जिस पर लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा सिविल सेवा वर्गीकरण नियम 1965 के नियमों के तहत कारण बताओं नोटिस जारी कर पटवारी अभिषेक तिवारी से 3 दिन के भीतर कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब मांगा गया है।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री डॉ यादव के आगमन हेतु हेलीपैड स्थल पर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी बालाघाट के आदेशों पर कर्तव्य हेतु नायब तहसीलदार संजय बारस्कर की ड्यूटी लगाई गई थी, जिनके सहयोग हेतु दो पटवारी अभिषेक तिवारी एवं शुभम बिसेन की ड्यूटी लगाई गई थी। जिन्हें यह आदेश था कि मुख्यमंत्री के आगमन से लेकर रवाना होते तक अपने कार्यपालन मजिस्ट्रेट के साथ ड्यूटी पर उपस्थित होना था परंतु होते स्थल पर दोनों ही पटवारी ड्यूटी पर नहीं थे। जिन्हें नायब तहसीलदार संजय भास्कर के द्वारा मोबाइल पर संपर्क किया गया था जिस पर अभिषेक तिवारी को फोन करने के बाद मौके स्थल पर पहुंचे परंतु शुभम बिसेन फोन करने के बावजूद भी मुख्यमंत्री जी के हेलीकॉप्टर उड़ान भरने तक भी नहीं पहुंच पाया जिस पर मेरे द्वारा शुभम बिसेन पर निलंबन की कार्यवाही की गई और दूसरे पटवारी अभिषेक तिवारी को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम लाँजी

भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा बिसोनी का हुआ पुनर्गठन मनोहर चौरे बने अध्यक्ष

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा बिसोनी का 14 मई को बुद्ध घोष बुद्ध विहार दखनीटोला में तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार भिमटे के निर्देशन में के के भालाधरे जिला सचिव बीएसआई के मुख्यातिथ्य में एवं एम के बौद्ध की अध्यक्षता में तथा धर्मशीला मेश्राम अध्यक्ष प्रज्ञा महिला मंडल नगर शाखा लांजी के विशेष आतिथ्य में सर्कल शाखा बिसोनी का पुनर्गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से मनोहर चौरे अध्यक्ष, इन्द्रदास बोरकर, बालकदास बंसोड़, प्रेमशीला गोस्वामी, प्रमोद भिमटे उपाध्यक्ष, मुरलीधर मेश्राम महासचिव, अरूण कुमार भिमटे कोषाध्यक्ष, पंकज गेडाम, सुनील बंजारी, कृष्ण कुमार भिमटे व ज्योति भिमटे सचिव, शरदकुमार बोरकर आडिटर, संरक्षक युवराज भिमटे व संगठक विनोद बोरकर, दिलीप गजभिए, शैलेन्द्र गजभिए, सुरेन्द्र मेश्राम, विनोद चौरे, रंजीता बोरकर, गजेन्द्र कुमार मेश्राम, सिद्धार्थ रामटेके, मूलचंद बोरकर, सुरेश मेश्राम शामिल हैं। जिनका कार्यकाल 14 मई 2027 तक अर्थात दो वर्षों का रहेगा। सर्कल शाखा बिसोनी के अध्यक्ष पद पर मनोहर चौरे को मनोनीत किए जाने पर सभी बधाई दी। इस दौरान झनक गोस्वामी, राजेंद्र चौरे, मनोज कुमार बारमाटे, विकास चौरे सहित अन्य उपासक उपासिकाए उपस्थित थे।

नया राम मंदिर में कल से श्री राम कथा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट एकल अभियान खण्ड लांजी के तत्वावधान में नया राम मंदिर गुजरी चौक लांजी में कल 16 से 20 मई तक श्री राम कथा का आयोजन किया गया है। उक्त श्री राम कथा सुश्री गीता किशोरी के मुखारविंद से प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक सम्पन्न होगा। कार्यक्रम के तहत 16 मई को शाम 5 बजे कलश यात्रा निकालकर नगर भ्रमण किया जायेगा, तत्पश्चात संगीतमय रामकथा का शुभारंभ किया जाएगा। श्रीराम कथा आयोजन समिति ने क्षेत्र वासियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

कु.राशि भटेरे का सुयश सी बी एस ई 12 वीं मे हासिल किया 92 .2 प्रतिशत

पूर्व विधायक रमेश भटेरे की भतीजी है कु.राशि

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सी बी एस ई बोर्ड के द्वारा 13 मई को दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा परिणामों की घोषणा की गई। इस परीक्षा में लांजी सहित बालाघाट जिले के अनेकों छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपना व अपने परिवार, स्कूल तथा जिले का नाम रोशन किया है। इन्हीं होनहार छात्राओं मे से एक राशि पिता राजेश भटेरे निवासी बोलेगाँव जिसने 12 वीं सी बी एस ई में 92.2 प्रतिशत हासिल कर सम्पूर्ण क्षेत्र का नाम गौरवांवित किया है. बता दे कि राशि भटेरे भोपाल के सागर पब्लिक स्कूल में अध्यनरत छात्रा है। कु.राशि क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी व समाज सेवी राजेश भटेरे की पुत्री एव पूर्व विधायक रमेश भटेरे की भतीजी है। इनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर क्षेत्र के समस्त जन प्रतिनिधि गण, सामजिक कार्यकर्ता, नाते रिश्तेदार, मित्र मंडल, शिक्षक, शिक्षिकाएं सहित भटेरे परिवार से दादी धारेश्वरी दिलीप भटेरे, जागेश जयंती भटेरे, प्रेमलता योगेश कश्यप, नेहा दिनेश वर्मा, राजेश साधना भटेरे, राकेश प्रिया भटेरे, पूर्व विधायक रमेश ऋषिका भटेरे, सुमीत, रूचा भटेरे, शिवानी, प्रियांशी, श्रीयांशी, प्राची, प्रज्ञा, सिद्धी, समृद्धि, ओजल, कार्तिकेय, रोहिताक्ष एवं समस्त भटेरे परिवार के द्वारा कु.राशि भटेरे को शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्वल भविष्य की कामना की है।

मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के बयान पर कांग्रेस हुई हमलावर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के बयान ने प्रदेश के सियासत को गर्म कर दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में उन्होंने विवादित टिप्पणी की। हालांकि मामले के तूल पकड़ते ही उन्होंने माफी भी मांग ली लेकिन इसे लेकर कांग्रेस हमलावर है। पार्टी नेता उनके खिलाफ एफआईआर की मांग कर रहे हैं। शाह की टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद उनकी कड़ी आलोचना होने लगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शाह पर एफआईआर दर्ज कराने पर जोर दे रहे हैं। उनकी ओर से मंत्री के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की जाएगी। मंत्री के खिलाफ प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकर्ता भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लांजी-किरनापुर विधानसभा के कांग्रेसियों ने भी मंत्री के बयान की आलोचना करते हुए अपना बयान जारी किए हैं। सभी ने मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग किए हैं।

ऐसे मंत्री को पद से तत्काल हटाए- ऋषि पटेल

उक्त संबंध में ब्लॉक कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ऋषि पटेल ने बयान जारी कर कहा की पाकिस्तान के साथ युद्ध में आपरेशन सिंदूर को लीड कर रही कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ मंत्री विजय शाह ने जो बयान दिया है वो काफी घिनौनी और शर्मनाक है। आज पूरा देश कर्नल सोफिया कुरैशी को युद्ध के दौरान उनके सौम्य और पराक्रम के लिए सम्मान की नजरों से देख रहा है और अपने देश की बेटी पर गर्व महसूस कर रहा है। वहीं मंत्री विजय शाह द्वारा ओछी मानसिकता के साथ घटिया टिप्पणी करना दुर्भाग्य पूर्ण एव घोर निंदनीय है। निश्चित रूप से करनल सोफिया कुरैशी का अपमान देश के सेना का अपमान है और जिस तरह की भाषा का उन्होंने उपयोग किया है। उन पर देश द्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए और ऐसे मंत्री को तत्काल पद से हटाना चाहिए।

मंत्री का बयान निंदनीय और शर्मनाक

मप्र शासन के मंत्री विजय शाह द्वारा सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ कहे गए शब्द नारी अस्मिता के खिलाफ हैं। उनका बयान निंदनीय और शर्मनाक तो हैं ही साथ ही दंडनीय भी हैं। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर अपराध पंजीकृत किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में भी किसी नेता की किसी महिला का अपमान करने की हिम्मत ना होवें।

प्रमोद अग्रवाल
शहर कांग्रेस कमेटी, लांजी

सेना अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी निंदनीय

जनपद पंचायत के अध्यक्ष अर्चना रेवेंद्र खोंगल ने भी विजय शाह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने ने कहा- मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह ने एक सेना अधिकारी सोफिया कुरैशी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की। वो निंदनीय है उनके खिलाफ एफआईआर होना चाहिए।

अर्चना रेवेंद्र खोंगल
अध्यक्ष जनपद पंचायत

बगैर अनुज्ञा कृषि उपज के परिवहन पर हुई कार्रवाई बने 06 प्रकरण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कृषि उपज उप मंडी लांजी के द्वारा सचिव कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के मार्गदर्शन में वासुदेव बढ़ई सहायक उप निरीक्षक, नेलचंद बारबुदे सहायक उप निरीक्षक, विनोद बनसोढ़ सहायक उप निरीक्षक, उपमंडी लांजी के द्वारा डुडवा घाट, घंसा, परसवाड़ा रोड चिचामटोला के पास में औचक निरीक्षण के दौरान निम्न वाहनों पर कृषि उपज धान बिना अनुज्ञा पत्र के अवैध परिवहन करने पर 6 वाहनों पर पांच गुना कार्यवाही कर दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। जिसमें 07 मई को पिकअप वाहन क्रमांक एम.एच.31एफ 6265 किशोर भोगड़े, टेमनी से गिरोला महाराष्ट्र, धान 24.00 क्विंटल, दांडिक मंडी शुल्क 4012, 9 मई को दुर्गेश भेलावे बेलगांव से गिरोला महाराष्ट्र , वाहन क्रमांक एम .एच.35 ए जे 3206 धान 20.00 क्विंटल, दांडिक मंडी शुल्क 4760, 13 मई को राधेश्याम पाथोड़े, माधोटोला डुडवा से घाट टेमनी महा, वाहन एम. पी.50 जेड.बी.5830 में धान 20.00 दांडिक मंडी शुल्क 4760, 13 मई को योगराज येडे बोथली से कोटजमुरा महाराष्ट्र, वाहन एम एच 35 ए जे 4362 में धान अनुज्ञा के अतिरिक्त 10 क्विं. दांडिक मंडी शुल्क 2380 14 मई को दिलीप कुमार ब्राह्मणकर अवारीटोला से रोडा सालेकसा महा. वाहन ट्रैक्टर एम पी 50 ए ए 1969 में धान 35 क्विं. दांडिक मंडी शुल्क 5830 रूपए , 14 मई को बाबूलाल पटले, पारडी से घाट टेमनी महा, वाहन एम एच 35 एआर 3893 में धान 20 क्विं, दांडिक मंडी शुल्क 4760 रूपए। उपरोक्त वाहनों में मौके पर वाहन के साथ मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं पाए जाने पर नियमानुसार पांच गुना की कार्यवाही कर कुल दांडिक मंडी शुल्क 31262 रूपए वसूल कर सरकारी खजाने में जमा की गई। ऐसी ही कार्यवाही बगैर अनुज्ञा पत्र के अवैध परिवहन करने वाले व्यापारियों पर जारी रहेगी। अनुरोध कोई भी व्यापारी बगैर अनुज्ञापत्र के अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन किसी भी स्थिति में ना करें।

प्रधानमंत्री आवास (बीएलसी) शहरी घटक के लिए आवेदन आमंत्रित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। निकाय क्षेत्रांतर्गत पीएम आवास (बीएलसी) शहरी घटक के तहत हितग्राहियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। नगर पालिका अधिकारी बीड़ी कतरोलीया ने बताता की अब तक 542 आवेदनों की सूची तैयार कर प्रकाशित की गई है, जो कलेक्टर कार्यालय, तहसील कार्यालय और नगरपालिका परिषद के सूचना पटल पर अवलोकन के लिए रखी गई है। यदि किसी आवेदनकर्ता या आम नागरिक को प्रकाशित सूची में अंकित किसी पात्र आवेदक के संबंध में कोई दावा या आपत्ति है, तो वे 15 दिनों के भीतर नगरपालिका कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित में वैध दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा या आपत्ति लिखित में वैध दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करनी होगी।निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति मान्य नहीं होगी। संयुक्त टीम द्वारा सर्वेक्षण और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा, जिसमें उपयंत्री, पटवारी और वसूलीकर्ता वार्ड प्रभारी शामिल होंगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सुचारू संचालन पर बीएमओ ने आशा कार्यकर्ताओं को दिए आवश्यक निर्देश

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किरनापुर मे 14 मई 2025 दिन बुधवार को खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. वर्ष चौबे ने विकास खण्ड किरनापुर अंतर्गत समस्त 142 आशा कार्यकर्ताओं की राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से संबंधित आवश्यक बैठक ली गई। जिसमे शत-प्रतिशत लक्ष्य अनुसार आयुष्मान कार्ड बनाये जाने, शासकीय प्रसव केंद्रों में गर्भवती महिलायों को प्रसव कराने प्रोत्साहित करने, महिलाओ के प्रसव उपरांत ग्रह भेंट करने संबंधित उचित दिशा निर्देश भी गए ।साथ ही आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओ को जानकर उनकी समस्याओ का निराकरण भी किया गया।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अभी सेना के शौर्य का बखान करेगी भाजपा

ऑपरेशन सिंदूर के चलते थमा भाजपा 'अध्यक्षों' का चुनाव

भोपाल। मप्र भाजपा अध्यक्ष सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव फिलहाल कुछ दिन और थमा रहेगा। इसकी वजह है ऑपरेशन सिंदूर। भाजपा आलाकमान ने सभी प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने प्रदेश की जनता को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सेना के शौर्य के बारे में बताए। केंद्र से मिले संदेश के बाद मप्र भाजपा ने अपना पूरा फोकस अब सेना के शौर्य के बखान की ओर केंद्रित कर दिया है और पार्टी जल्द ही कार्यक्रम बनाकर मैदान में उतरेगी।

जानकारी के अनुसार भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए आपरेशन सिंदूर और उसके बाद बने हालातों को लेकर भाजपा ने अपने कई संगठनात्मक कार्यों को फिलहाल आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष चुनाव तक को आगे बढ़ाने का निर्णय भी शामिल है। भाजपा में पिछले चार महीनों से संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। बूथ, मंडल से लेकर जिलाध्यक्षों तक के चुनाव प्रदेश में हो चुके हैं। अब केवल प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना है। इसके अलावा पार्टी ने तय किया है कि वे आपरेशन सिंदूर में सेना के शौर्य को आम जनता को बताएगी और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों द्वारा इसे लेकर उठाए जा रहे सवालों और कथित भ्रातिंयों को भी साफ करेगी।

पार्टी के सारे कार्यक्रम निरस्त

संगठन चुनाव के साथ ही पार्टी ने अपने सारे आगामी कार्यक्रम निरस्त कर दिया है। गौरतलब है कि भाजपा ने वक्फ कानून को लेकर जन जनजागरण अभियान चलाने का फैसला किया था। इसमें नए वक्फ कानूनों की बारीकियां और इससे आम मुस्लिम समाज को होने वाले फायदों को लेकर जनता को बताया जाना था। इसे लेकर केन्द्रीय मंत्रियों की सभाएं भी प्रदेश में तय की गई थीं। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल के मध्यप्रदेश आने का कार्यक्रम था पर अब उनका कार्यक्रम भी स्थगित हो गया है। इसके अलावा प्रदेश की 23 हजार से अधिक वक्फ सम्पत्तियों के सर्वे के कार्यक्रम को भी आगे बढ़ा दिया गया है। गौरतलब है कि 23 हजार से अधिक वक्फ सम्पत्तियों में से 15 हजार पर कब्जे की बात प्रारंभिक रूप से सामने आई थी।

प्रदेश अध्यक्ष को लेकर कयासों का दौर

सूत्रों की माने तो पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने आपरेशन सिंदूर के चलते अब राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव टाल दिए हैं। इनमें मप्र भी शामिल है। इसके अलावा संगठन के अन्य कार्यक्रम भी आगे बढ़ा दिए हैं। गौरतलब है कि भाजपा में जिलाध्यक्षों के चुनाव हुए तीन महीने से अधिक का समय बीत गया है। इसके बाद से ही प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर कयासों का दौर चल रहा है। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को अध्यक्ष बने साढ़े पांच साल का समय हो रहा है। उनके कार्यकाल में विधानसभा और उसके बाद लोकसभा चुनाव में मिली सफलता और संगठन के कई कामों में प्रदेश का देश में नंबर वन रहने के कारण उनके रिपीट होने की भी संभावना है। इसके अलावा इस मामले में राष्ट्रीय नेतृत्व को भी कोई जल्दबाजी नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ प्रदेश संगठन महामंत्री को लेकर भी अटकलबाजियों का दौर चल रहा है। इसमें संघ से जुड़े दो-तीन नेताओं के नाम चर्चा में हैं। इनमें से एक नेता जो इन दिनों राजधानी में ही रहकर एक एनजीओ का काम देख रहे हैं, उनका नाम सबसे आगे चल रहा है पर अब जब तक सीमा पर हालात सामान्य नहीं होते तब तक पार्टी हाईकमान ने संगठन चुनाव टालने का फैसला किया है।

कांग्रेस चली भाजपा की राह

उधर, दूसरी तरफ भाजपा की तर्ज पर कांग्रेस भी अब अपने पार्टी कैडर को दुरूस्त करने का प्रयास कर रही है। उसने तय किया कि अब वह अपने सभी विधायकों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, विधानसभा प्रभारियों को अब आवासीय प्रशिक्षण देगी। अगले महीने 9 से 15 जून के बीच सर्वोदय की पद्धति पर दो से तीन दिन का यह आवासीय प्रशिक्षण होगा। ट्रेनिंग कैम्प में प्रशिक्षण लेने वाले विधायकों, जिला अध्यक्षों सहित सभी नेताओं को एक निश्चित राशि पार्टी के पास जमा करनी होगी। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के चीफ सचिन राव और एमपी कांग्रेस के प्रशिक्षण विभाग द्वारा यह ट्रेनिंग कैम्प आयोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि भाजपा में इस तरह के प्रशिक्षण शिविरों की परम्परा है। कांग्रेस ने ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार किया है। इसमें प्रशिक्षणार्थियों को ये बताया जाएगा कि वर्तमान में एआई के युग में फेक न्यूज और कंटेंट और फैक्ट को कैसे पहचानें। विरोधी दल द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले दुष्प्रचार को रोकने के तौर तरीके भी बताए जाएंगे। कांग्रेस का मानना है कि सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति के व्यवहार और काम करने के तौर-तरीके का कार्यकर्ताओं और आम जनता पर बड़ा असर पड़ता है। ट्रेनिंग में मोबाइल मैनेजमेंट, मीडिया और सोशल मीडिया मैनेजमेंट भी सिखाया जाएगा। बीते 7 मई को भोपाल में एमपी कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफजीतू पटवारी के साथ हुई बैठक में ये तय हुआ है कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को आइडियोलॉजी के आधार पर जोडने् के लिए विधायकों, जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिए जाएं। सबसे पहले होने वाली ट्रेनिंग में कांग्रेस पार्टी के इतिहास, राजनीतिक सफरनामे से लेकर वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया जाएगा।

एक रजिस्ट्री में चार घंटे और 20 से ज्यादा जाते हैं ओटीपी

सम्पदा-2 पोर्टल बना मुसीबत... पंजीयन विभाग खुद परेशान, आमदनी के साथ घट गई दस्तावेजों की संख्या

भोपाल। 1 अप्रैल से पंजीयन विभाग में सम्पदा-2.0 नया पोर्टल लागू किया गया, जिसकी मुसीबतें खत्म नहीं हो रही है और रजिस्ट्री करवाना बहुत बड़ी समस्या बन गई है। एक-एक रजिस्ट्री में 4 से 5 घंटे तक का समय लग रहा है, तो 20 से लेकर 40-50 तक ओटीपी संबंधित व्यक्तियों के पास जाती है और उनकी पुष्टि करवाने में ही समय लग जाता है और अगर किसी एक ने भी पुष्टि नहीं की तो फिर रजिस्ट्री अटक जाती है। इसके चक्कर में जहां रजिस्ट्रियों की संख्या घट गई, साथ ही विभागीय आय में भी कमी आई है।

महानिरीक्षक पंजीयन विभाग के अफसरों को मैदानी समस्याएं समझ में नहीं आती, जबकि विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ अभिभाषक और रियल इस्टेट से जुड़े लोगों द्वारा भी इसकी शिकायतें कई बार कर दी गई और यह भी मांग की गई थी कि जब तक नई पोर्टल की तकनीकी समस्याएं दूर नहीं होती, तब तक पुराने पोर्टल के जरिए भी रजिस्ट्री कराई जाती रहे। जिस तरह गत वित्त वर्ष में 31 मार्च तक की गई थी। मगर पंजीयन विभाग के भोपाल बैठे अफसरों ने फरमान जाती करते हुए पुराना पोर्टल पूरी तरह से बंद कर दिया और 1 अप्रैल से सिर्फ नए पोर्टल के जरिए ही सम्पदा से रजिस्ट्री कराने के निर्देश जारी कर दिए। तब से लेकर अभी तक तमाम समस्याएं सामने आती है, जिसमें मुख्य रूप से एक ही पक्ष को कई बार ओटीपी भेजने और एक कॉलोनी में चूंकि किसानों, डवलपर्स व अन्य शामिल रहते हैं। ऐसे में अगर एक भूखंड की रजिस्ट्री भी करना हो तो 20 से अधिक लोगों के पास ओटीपी जाता है और उसके बिना डीड वेरिफाई नहीं होती। अभी रजिस्ट्री की प्रिंट भी नहीं दी जाती है, उससे भी लोग परेशान हैं। उप पंजीयक कार्यालय से सील-साइन वाली प्रिंट दिलाने की मांग की गई है। वहीं किसान के द्वारा बिल्डर के पक्ष में की गई पॉवर ऑफ अटार्नी में स्टाम्प ड्यूटी की छू दी गई है। मगर पंजीयन फीस की छूट नहीं दी गई, जिससे कई तरह की परेशानियां आ रही हैं।

सहकारी समितियों की परफार्मेंस ग्रेडिंग होगी

मंत्री ने तय किए ग्रेडिंग मापदंड, सीपीपीपी विंग से होगा समस्या का निराकरण

भोपाल । प्रदेश में सहकारी समितियों की परफार्मेंस ग्रेडिंग की जाएगी। ग्रेडिंग का यह काम समितियों के परफार्मेंस के आधार पर किया जाएगा। यह ग्रेडिंग समितियों की फाइनेंशियल स्टेटस, प्रबंधन की पारदर्शिता, सेवाओं की गुणवत्ता, लाभांश वितरण और कृषकों तथा सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं के आधार पर की जाएगी। इस ग्रेडिंग प्रणाली के माध्यम से समितियों की कार्य प्रणाली, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, सदस्य संतुष्टि और नवाचार की क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सकेगा। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने यह निर्देश विभाग के अफसरों को दिए हैं। उन्होंने अफसरों के साथ पिछले दिनों हुई बैठक में कहा कि प्रदेश के सहकारी क्षेत्र में कच्चे माल का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। इससे उत्पादन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के साथ किसानों को तकनीकी ज्ञान दिया जा सकेगा। सारंग ने कहा कि प्रदेश में एक वृहद सेमिनार का आयोजन भी किया जाए जिसमें सफल सहकारी उद्यमियों, संस्थाओं और श्रेष्ठ कार्य करने वाले किसानों को आमंत्रित किया जाएगा। इससे सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों और अनुभवों का आदान-प्रदान होगा।

सारंग ने प्रदेश में सीपीपीपी (को-आपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के अंतर्गत इन्वेस्टर्स समिट में हुए एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के लिए एक विशेष सीपीपीपी विंग की स्थापना के निर्देश दिये।

आज लाड़ली बहनों के खातों में 1552 करोड़ से अधिक की राशि होगी अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को सीधी जिले की तहसील गोपदबनास (सीधी खुर्द) से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना की मई माह की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीधी के धोहनी में विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे।

ग्रेज्युएशन के लिए अब 12वीं पास करने की जरूरत नहीं

10वीं के बाद पॉलिटेक्निक करने वालों को मिलेगा फर्स्ट ईयर में दाखिला

भोपाल। मध्यप्रदेश में कक्षा 10वीं के बाद पॉलिटेक्निक करने वाले छात्रों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, अब ऐसे छात्रों को इस डिप्लोमा का लाभ नॉन टेक्निकल कोर्सेस में मिलेगा, जिससे उन्हें ग्रेज्युएशन करने के लिए अब 12वीं कक्षा पास करने की जरुरत नहीं होगी। बल्कि पॉलिटेक्निक करने के बाद स्टूडेंट सीधे बीए, बीकॉम या बीएससी के फर्स्ट ईयर में एडमिशन ले सकेंगे। इस संबंध में तकनीकी शिक्षा विभाग ने एमपी बोर्ड का प्रस्ताव भी भेजा है। इसके मंजूर होने के बाद नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र से लागू हो सकती है व्यवस्था

तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पॉलिटेक्निक कॉलेजों में प्रवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत पॉलिटेक्निक के दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा गया है और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है। बता दें कि तकनीकी शिक्षा विभाग वर्तमान में नए कोर्स को तैयार कर प्रवेश कराने के लिए काउंसलिंग की तैयारी में जुटा हुआ है।

इंजीनियरिंग में मिलता है डिप्लोमा का लाभ

वर्तमान में 10वीं पास करने के बाद जो स्टूडेंट पॉलिटेक्निक कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, उनका डिप्लोमा तीन साल का होता है और इसे करने के बाद विद्यार्थी सीधे बीई के सेकंड ईयर में प्रवेश के पात्र होते हैं। लेकिन अब तक पॉलिटेक्निक करने वालों को कॉमर्स, आर्ट्स या अन्य मेन स्ट्रीम्स में प्रवेश नहीं मिल पाता था। ऐसे में पॉलिटेक्निक के बाद यदि छात्र नान टेक्निकल कोर्स में दाखिला लेते थे, तो उन्हें पहले 12वीं की परीक्षा पास करनी होती थी। लेकिन अब इसकी जरुरत नहीं होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग से जो प्रस्ताव मिला है उसे बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा। इसके बाद ही निर्णय हो सकेगा।

पालीटेक्निक में प्रवेश बढ़ाने के लिए लिया फैसला

अधिकारियों ने बताया कि कई बार स्टूडेंट इसी कारण पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने से हिचकिचाते हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले घटे हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के मुताबिक कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा। इसके बाद उसका कॉलेज में मनचाही स्ट्रीम में एडमिशन हो सकेगा।

देश को मिलेगा 5 ज्योतिर्लिंगों का सर्किट

मप्र और महाराष्ट्र सरकार की पहल

भोपाल। मप्र में इस वक्त राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को पूरा करने के लिए मजबूती से कदम बढ़ा रही है। प्रदेश में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सनातन परम्परा के गौरव को संरक्षित करने और सहेजने के जहां पिछले वर्षों के दौरान अनेक निर्णय लिए गए और कई नवाचार हुए हैं, उसमें अब एक पहल ओर जुडने् जा रही है, जिसके बारे में स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया। मप्र और महाराष्ट्र दोनों राज्य अपने-अपने राज्यों में मौजूद 5 ज्योतिर्लिंगों को मिलाकर एक धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित करेंगे। इनमें मप्र के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर और खंडवा स्थित ओंकारेश्वर के ज्योतिर्लिंग के साथ ही महाराष्ट्र के पुणे स्थित भीमाशंकर, नासिक स्थित त्र्यंबकेश्वर, औरंगाबाद स्थित घृष्णेश्वर शामिल हैं। इसके साथ ही कृष्ण पाथेय में गुजरात, राजस्थान के बाद अब महाराष्ट्र भी शामिल होगा।

दरअसल, मप्र में इन दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गोपालन से आर्थिक समृद्धि, गीता से सांस्कृतिक चेतना, श्रीकृष्ण पाथेय और श्रीराम वनगमन पथ से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते दिखाई दे रहे हैं। यहां सिंहस्थ भूमि के स्थायी आवंटन से उज्जैन में आम जन में उत्साह का वातावरण है तो ओंकारेश्वर में सर्वत्र हो रहा विकास समेत अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों को धाम और लोक का स्वरूप देकर मध्य प्रदेश शासन एवं प्रशासन द्वारा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण प्रदान करने का बड़ा कार्य किया जा रहा है। अब मप्र के साथ महाराष्ट्र भी देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए मिलकर काम करने आगे आया है। आनेवाले दिनों में मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र दोनों राज्य मिलकर कई प्रोजेक्ट पर एक साथ काम करते नजर आएंगे।

सांस्कृतिक विरासत का साथ मिलकर विकास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रिमंडल को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि तीन दिन पहले उनकी इस संबंध में भोपाल आए महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडनवीस के साथ बातचीत के बाद सहमति बन गई है। दोनों राज्य साझी सांस्कृतिक विरासत का साथ मिलकर विकास करेंगे। दोनों राज्य मिलकर बाजीराव पेशवा, तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई, अप्पाजी भोंसले जैसे गौरवशाली महापुरुषों के जीवन से जुड़ी घटनाओं के इतिहास लेखन, दस्तावेज संकलन, डिजिटलीकरण, मोढ़ी लिपि के संरक्षण, लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के धार्मिक-प्रशासनिक अवदानों के संरक्षण पर एक साथ काम करेंगे। सीएम ने बताया कि शेगांव के गजानन ट्रस्ट द्वारा इच्छुक व्यक्तियों को सेवा का प्रशिक्षण देकर मंदिर की सेवा और प्रबंधन में लगाया जाता है। उनके इस मॉडल को महाकाल मंदिर प्रबंधन में भी अमल में लाने पर विचार किया जाएगा।

ऐसा होगा ज्योतिर्लिंगों का सर्किट

इस संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने मंत्रीपरिषद के सदस्यों के बीच जानकारी दी कि मप्र और महाराष्ट्र का साझा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ रहा है। दोनों राज्यों द्वारा बाजीराव पेशवा, तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई, अप्पाजी भोंसले इत्यादि के गौरवशाली अतीत की घटनाओं के इतिहास लेखन, दस्तावेज संकलन, डिजिटाइलिजेशन, मोढ़ी लिपि के संरक्षण, लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के धार्मिक-प्रशासनिक अवदानों के संरक्षण के लिए कार्य करने पर सहमति हुई है। उन्होंने कहा, मप्र में उज्जैन और ओंकारश्वर के ज्योतिर्लिंग तथा महाराष्ट्र के तीन ज्योतिर्लिंग का सर्किट विकसित करने पर दोनों राज्यों के बीच सहमति बनी है। ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर को जोड़ एक धार्मिक कॉरिडोर बनेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश द्वारा परस्पर समन्वय से आगामी दिनों में की जाने वाली सांस्कृतिक-धार्मिक व इतिहास केंद्रित गतिविधियों में प्रदेश के इन दोनों ही राज्य में व्यापक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमाएं दोनों राज्यों के बीच नौ जिलों में सीमा लगती है। इन जिलों में खरगोन, बड़वानी, बैतूल, खंडवा, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, अलीराजपुर और बुरहानपुर शामिल हैं। स्वभाविक है कि जब इन दोनों राज्यों के बीच एक धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से पांच प्रमुख ज्योतिर्लिंगों के बीच एक सर्किट तैयार हो जाएगा तो जनसंख्यात्मक रूप में हजारों लोगों के लिए जहां रोजगार के नए अवसर खुल जाएंगे, तो वहीं धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा करनेवाले श्रद्धालुओं के लिए भी एक बार की यात्रा के दौरान पांचों ज्योतिर्लिंग के दर्शन करना एवं अपनी धार्मिक यात्रा करना आसान हो जाएगा।

बिना परामर्श काम कर रहे सरकारी विभाग

अधिकांश विभागों में सालों से परामर्शदात्री समिति का गठन ही नहीं किया

भोपाल। प्रदेश के कई सरकारी महकमों के विभागाध्यक्षों से लेकर जिलों में कलेक्टर तक समय पर परामर्शदात्री समितियों की बैठकें नहीं कर रहे हैं। इसको लेकर सामान्य प्रशासन विभाग कई बार नाराजगी जता चुका है। विभागों को हर तीन माह में बैठकें अनिवार्य रूप से करने के नियम हैं, लेकिन कई विभाग तो ऐसे हैं जहां 15 साल से परामर्शदात्री समिति का गठन ही नहीं किया गया है। इन समितियों का गठन सरकार के विभिन्न विभागों में नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए सलाह देने के लिए किया जाता है। ये समितियां राज्य की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।परामर्शदात्री समितियां सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करती हैं, नीतियों और योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करती हैं, और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करती हैं। मप्र सरकार के कई विभागों में इन समितियों का गठन नहीं किया गया है, जिससे सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सलाह प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है।

जिन परामर्शदात्री समितियों के माध्यम से सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान होता था। उस पर सिस्टम की नाकामी पानी फेर रही है। 20 विभाग ऐसे हैं, जहां दस साल से ज्यादा समय निकलने के बाद भी परामर्शदात्री समितियों की बैठकें नहीं हो पाई हैं। नतीजा यह है कि हजारों कर्मचारियों के मुद्दे फाइलों में दबकर रह गये हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के नियम के अनुसार प्रत्येक तीन माह में एक और वर्ष में चार बैठकें जरूरी हैं। जिस सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से हर डिपार्टमेंट की कार्य गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा रहा है। वहीं पर पिछले दस साल से राज्य स्तर की परामर्शदात्री नहीं कराई गई है। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि राज्य से लेकर जिला स्तर की बैठकें ठप पड़ी हैं। मंत्रालय में ही जो जीएडी हर विभाग के कार्य पर नियंत्रण रखता है। वहां पिछले दस साल से बैठक नहीं कराई गई है। राज्य से लेकर जिला स्तर पर बैठकें ठप पड़ी हैं।

15 साल से नहीं हुई बैठकें

प्रदेश में कई विभाग ऐसे हैं जहां वर्षों से परामर्शदात्री समितियों की बैठकें ही नहीं हुई है। लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पीएचई, ग्रामीण यांत्रिकी विभागों में 15 साल से परामर्शदात्री समितियों की बैठके आयोजित नहीं की गई हैं। गृह, पंचायत एवं ग्रामीण, कृषि एवं किसान कल्याण, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष, आर्थिक सांख्यिकी, सहकारिता ऊर्जा, खेल एवं युवा कल्याण, खनिज, राजस्व, गैस राहत, जैसे विभागों में परामर्शदात्रियां ठप पड़ी हैं। इन विभागों के अधीन निगम मंडलों में भी कर्मचारी लंबे समय से मांग कर रहे हैं, लेकिन यहां भी अधिकारी स्तर पर निर्धारित बैठकें नहीं की जा रही हैं। शासन नियम के अनुसार राज्य स्तर पर प्रमुख सचिव जबकि संभाग एवं जिलों में कमिश्नर और कलेक्टरों को पर बैठकें आयोजित करना अनिवार्य है। इन बैठकों के आयोजन का उद्देश्य यही था कि कर्मचारियों के जिस स्तर के मुद्दे हैं। उनका स्थानीय स्तर पर समाधान किया जा सके। अनेक समस्याएं ऐसी होती हैं जो जिलों और संभाग स्तर पर कलेक्टर एवं कमिश्नर निराकृत कर सकते हैं। जबकि जो राज्य स्तर के मामले होते हैं। उनका समाधान प्रमुख सचिव शासन के अधीन होता है। यह प्रक्रिया नहीं होने के कारण सरकारी सेवकों की समस्याओं में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। मप्र लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के पूर्व प्रांताध्यक्ष एमपी द्विवेदी का कहना है कि अधिकारियों के अलावा मंत्रियों एवं विधायकों को भी पत्र दिए गए कि परामर्शदात्री की बैठकें शुरू की जाएं।

स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन आवेदन आज से शुरू

10 स्थानों की देना होगा प्राथमिकता

भोपाल । लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 के स्वैच्छिक तबादलों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। नियमित अधिकारी और कर्मचारी 14 से 19 मई के बीच ई-एचआरएमआईएस पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। स्वास्थ्य आयुक्त की तरफ से जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक आवेदक को 10 स्थानों की प्राथमिकता देनी होगी। एक बार में केवल एक आवेदन ही स्वीकार होगा और उसमें संशोधन की अनुमति नहीं होगी। 20 मई तक सभी दस्तावेजों और आवेदनों का सत्यापन कर लिया जाएगा। इसके बाद तबादला आदेश आयुक्त के डिजिटल हस्ताक्षर के साथ पोर्टल पर जारी किए जाएंगे। फिलहाल जिला स्तर पर तबादले ऑफलाइन किए जाएंगे, लेकिन संबंधित अधिकारी को उसे 7 कार्यदिवस के भीतर पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य होगा। गलत या अधूरी जानकारी देने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। ऑफलाइन आवेदन या किसी अधिकारी से व्यक्तिगत संपर्क करने पर आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

इंग्लैंड दौरे पर राहुल सहित इन बल्लेबाजों को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद अब अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे में चौथे नंबर के लिए उपयुक्त बल्लेबाज की तलाश करना टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। इस नंबर पर बल्लेबाजी के लिए केएल राहुल सहित कुछ अन्य बल्लेबाजों को टीम प्रबंधन आजमा सकता है।

केएल राहुल

केएल राहुल वर्तमान समय के एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम की जरूरत के हिसाब से किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर चुके हैं। वह पारी की शुरुआत से लेकर मध्यक्र के अलावा पांचवें और छठे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर चुके हैं। पिछले साल जब इंग्लैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी तब कोहली की अनुपस्थिति में पहले मैच में वह चौथे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर चुके हैं। इस कारण वह इंग्लैंड में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए सबसे अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं। उनका लंबा अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार बनाता है।

शुभमन गिल

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान के सबसे मजबूत दावेदार के तौर पर उभरे हैं। 32 टेस्ट मैच खेल चुके शुभमन ने पारी की शुरुआत के अलावा तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी की है। उन्हें भारतीय क्रिकेट में कई मायनों में विराट कोहली के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जाता रहा है। ऐसे में कोहली के संन्यास के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए वह भी एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

करुण नायर

करुण नायर ने रणजी ट्रॉफी में जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उससे वह टेस्ट टीम में वापसी के दमदार दावेदार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ 2016 में तिहरा शतक लगाकर सबकी नजरों में आए थे। अगर उनकी टेस्ट में वापसी होती है तो वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए एक अच्छे विकल्प हैं।

साई सुदर्शन

साई सुदर्शन के प्रदर्शन में जो निरंतरता है, वह उन्हें विशेष बनाती है। इस आईपीएल सत्र में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। सुदर्शन ने घरेलू क्रिकेट में भी जबरदस्त बल्लेबाजी की है। वही खिलाड़ी तकनीकी तौर पर भी मजबूत है जो उसे टेस्ट क्रिकेट के लिए सबसे बेहतर बनाता है पिछले साल इस बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए की तरफ से खेले गए अनाधिकारिक टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी भी की थी। लिहाजा विराट कोहली की जगह पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए वह भी एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

शॉन टेट बने बांग्लादेश के नये गेंदबाजी कोच

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आंद्रे एडम्स के पद छोड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज शॉन टेट को नया तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। टेट आंद्रे एडम्स की जगह लेंगे और नवंबर 2027 तक बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ बने रहेंगे। बीसीबी ने कहा कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और गेंदबाजी कोच के रूप में टेट के पास अच्छा अनुभव है जिसका लाभ बांग्लादेश की टीम को मिलेगा। टैट ने सभी प्रारूपों में 59 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए अपनी तेज गति और आक्रामक गेंदबाजी से 95 विकेट लिए हैं। इससे पहले वह पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान की टीम के गेंदबाजी कोच रहे हैं।

वहीं टेट ने बांग्लादेश टीम का कोच बनाये जाने पर खुशी जतायी और कहा, 卐अभी बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ने का अच्छा समय है। उसके यहां नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और हर कोई उम्मीद करता है कि नई प्रतिभाएं बेहतर परिणाम लाएगी। मेर लक्ष्य गेंदबाजों को और बेहतर बनाते हुए टीम को जीत की ओर ले जाना रहेगा।卐 टेट के अनुसार मुख्य कोच फिल सिमंस के साथ काम करने का अवसर मिलना भी उनके लिए खुशी की बात है। वह इसके लेकर उत्साहित हैं। 卐 गौरतब है कि बीसीबी ने पिछले एक साल में टीम के आईसीसी टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन को देखते हुए टेट को गेंदबाजों को निखारने की जिम्मेदारी दी है।

विराट और रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप शायद ही खेल पायें -गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा शायद ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेल पायें। विराट और रोहित ने टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब दोनो ही एकदिवसीय क्रिकेट प्रारुप में ही खेलेंगे। इन दोनो ने पहले ही टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। दोनो ने ही अगले विश्वकप में खेलने की भी इच्छा जताई है। रोहित भी 50 ओवर के विश्वकप को जीतकर भारत को ये आईसीसी खिताब भी जिताना चाहते हैं। वहीं गावस्कर का मानना है कि बढ़ती उम्र के कारण इन दोनो को विश्वकप में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

गावस्कर ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप में इनका खेलना चयनसमिति के रुख पर निर्भर करेगा। चयनकर्ता देखेंगे कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। गावस्कर ने कहा, इन दोनो ने ही एकदिवसीय प्रारुप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर चयनकर्ता 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए फैसले लेंगे। इसमें अभी दो साल है। तब तक ये दोनो ह 38 साल के करीब हो जायेंगे। ऐसे में चयनकर्ता अनुमान लगायेंगे कि कया ये दोनो पहले की तरह योगदान दे पाएंगे या नहीं। अगर चयनकर्ताओं को लगता है कि हां, वे कर सकते हैं, तो दोनों वहां होंगे। गावस्कर ने जोर देकर कहा नहीं, मुझे नहीं लगता कि वे खेलेंगे हालांकि अगले एक-दो साल में, अगर वे बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और अगर वे लगातार शतक बनाते हैं, तो उन्हें कोई नहीं निकाल सकता। रोहित भी विराट की तरह ही 50 ओवर के खेल को अहम मानते हैं। गावस्कर को लगता है कि दोनों का 2027 विश्व कप खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। गावस्कर के इस बयान से विराट और रोहित के प्रशंसकों का निराश होने स्वाभाविक है पर अभी 2027 विश्व कप में अभी काफी समय है। इस दौरान बहुत कुछ बदल सकता है।

विराट का विकल्प मिलना आसान नहीं रहेगा - पुजारा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने के कारण खाली हुए चौथे नंबर की कमी को भरना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि विराट लंबे समय से नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। साल 2013 में सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद से 115 टेस्ट मैचों में से कोहली ने 99 मैचों में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी की है। इससे समझा जा सकता है कि इस नंबर पर उनकी अहमियत क्या है। ऐसे में विराट के संन्यास के बाद इस जगह के लिए कई नाम उभरे हैं पर इसके बाद भी उनका सही विकल्प मिलना आसान नहीं होगा। पुजारा ने कोहली के विकल्प को लेकर कहा, हमें यह पता लगाने के लिए कुछ सीरीज की जरूरत होगी कि नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए कौन सबसे उपयुक्त है, क्योंकि यह एक अहम स्थान है। आपको नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज की जरूरत होती है। और इस समय मुझे लगता है कि यह एक ऐसा स्थान है जहां टीम प्रबंधन को यह पता लगाना होगा कि नंबर-4 पर सबसे उपयुक्त खिलाड़ी कौन है। उन्होंने कहा, ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं पर अभी तक

किसी ने भी अपनी जगह पक्की नहीं की है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ समय लगेगा।

पुजारा ने आगे कहा, अभी कोई भी फैसला नहीं किया जा सकता है पर यह देखना अहम होगा कि इंग्लैंड में कौन अच्छा प्रदर्शन करता है, क्योंकि जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, वह चौथे नंबर पर खेल सकता है। वहीं, पुजारा ने शुभमन गिल के बारे में कहा, वह निश्चित रूप से एक विकल्प हैं पर अभी वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसे में क्या वह अपना स्थान बदलने तैयार होंगे हमें देखना होगा। दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, शुभमन ऐसे खिलाड़ी है जो नई गेंदों को खेलने में अधिक सक्षम है। नंबर-3 पर बल्लेबाजी शुरू करने से पहले वह ओपनिंग करते थे। वह तब बल्लेबाजी करना पसंद करते है जब गेंद थोड़ी सख्त और नई हो। क्या वह पुरानी गेंद से खेल पाएंगे? इस समय यह एक बड़ा सवाल है।

दिसंबर 2020 में सबसे लंबे फॉर्मेट में डेब्यू करने के बाद से गिल ने अब तक 32 टेस्ट में शीर्ष तीन से बाहर बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चक्र की शुरुआत में नंबर-3 पर खेलने से पहले ज्यादातर पारी की शुरुआत की है। पुजारा का मानना ??है कि गिल शीर्ष क्रम में बने रहने के लिए सबसे उपयुक्त हैं हालांकि नंबर-4 पर जाने की संभावना को खारिज नहीं किया। पुजारा ने कहा, चूंकि उन्होंने नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए मैं अब भी कहूंगा कि उन्हें शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करनी चाहिए, जो उनकी आइडियल पोजीशन है। यह उनके लिए उपयुक्त है।

कोलकाता की जगह किसी अन्य स्थल पर हो सकता है आईपीएल फाइनल

मुम्बई। भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण स्थगित हुआ आईपीएल दोनो देशों के बीच संघर्ष विराम होने के बाद फिर शुरु होने जा रहा है। आईपीएल को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नया कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। अब 27 मई तक लीग स्तर के मैच होंगे। वहीं इसके बाद 29 मई से प्लेऑफ के मैच खेले जाएंगे जबकि फाइनल 3 जून को खेला जाएगा। पहले जहां खिताबी मुकाबला कोलकाता में होना था। वहीं अब ये कहीं और खेल जाएगा। नये कार्यक्रम में प्लेऑफ के स्थल नहीं बनाये गये हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि कोलकाता में फाइनल नहीं खेला जाएगा। प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी में दिल्ली का नाम भी शामिल किया जा सकता है। पहले के कार्यक्रम क अनुनसार क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर हैदराबाद में जबकि क्वालीफायर-2 और फाइनल कोलकाता में होने थे। मगर अब नये कार्यक्रम के अनुसार बीसीसीआई ने बचे हुए टूर्नामेंट के लिए सात ही स्थल तय किये हैं। इसमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर और अहमदाबाद जैसे स्थल शामिल है।

इंग्लैंड दौरे पर यशस्वी और राहुल कर सकते हैं भारतीय टीम की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस दौरे में अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में बदलाव नजर आयेगा क्योंकि ये दोनो ही पिछले एक दशक से खेलते रहे हैं। रोहित जहां पारी की शुरुआत करते रहे हैं। वहीं विराट नंबर चार पर खेलते हैं। रोहित की जगह पर अब यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। उनके जोड़ीदार के तौर पर अनुभवी केएल राहुल उतरेंगे। इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा इंग्लैंड में राहुल ने पहले कुछ रन भी बनाए हैं। वहीं नंबर तीन पर शुभमन गिल बल्लेबाज करेंगे। वह पहले भी इसी नंबर पर उतरते रहे हैं। नंबर चार की जगह विराट कोहली के जाने से खाली हो गई है। इसके लिए साई सुदर्शन, करुण नायर और श्रेयस अय्यर जैसे दावेदार हैं। सुदर्शन ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट खेले नहीं खेला है जबकि करुण नायर भी 8 साल से टीम से बाहर हैं। इसके अलावा श्रेयस अय्यर भी करीब डेढ़ साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। ऐसे में इनमें से किसे जगह मिलती है ये देखना होगा। वहीं पांचवें नंबर पर ऋषभ पंत, छठे नंबर पर नितीश कुमार रेड्डी, सातवें पर रविंद्र जडेजा और 8वें पर वॉशिंगटन सुंदर या शार्दुल ठाकुर खेल सकते हैं। इस तरह भारत के पास कम से कम 8 नंबर तक अच्छी बैटिंग होगी।

आईपीएल के बचे हुए सत्र में पंजाब किंग्स को विदेशी खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ेगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 मई से शुरु हो रहे लीग मुकाबलों में पंजाब किंग्स को विदेशी खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ सकता है। इसका कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण उसके जो विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गये थे वे अब वापस नहीं लौटना चाहते हैं। इससे पंजाब के आईपीएल खिताब जीतने की संभावनाओं को झटका लग सकता है। पंजाब की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है और वह अब तक प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे रही है पर अब उसके आगे की राह कठिन होती जा रही है।

पंजाब किंग्स की टीम फिलहाल अंक तालिका में 15 नंबर के साथ तीसरे नंबर पर है। उसके अभी तीन लीग मैच खेलने हैं। इनमें से एक मैच जीतने पर भी प्लेऑफ में उसकी जगह पक्की हो जाएगी पर ये इतना आसान नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार पंजाब किंग्स के चार विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टॉयनिस, मार्को यानसेन, जोश इंग्लिस और एरॉन हार्डी अब तक भारत नहीं लौटे हैं। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर शुरु होना भी है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन और ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस को अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम में चुने गए हैं। ऐसे में यह भी संभव है कि अगर ये दोनों खिलाड़ी आईपीएल से वापस जुड़ें और फाइनल से पहले ही इंग्लैंड रवाना हो जाएं, जहां डब्ल्यूटीसी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

पंजाब किंग्स को अब राजस्थान, दिल्ली और मुंबई की टीमों से खेलना है. राजस्थान रॉयल्स से उसका मैच 18 को है. इसके बाद 24 मई को पंजाब और दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

विराट के प्रशंसक सफेद जर्सी में नजर आयेंगे

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम को देखते हुए आईपीएल मुकाबले एक बार फिर 17 मई से शुरु हो रहे हैं। इसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने पहले मुकाबले में बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) से खेलेगी। इस मैच में सबसे अहम बात ये होगी कि विराट कोहली के प्रशंसक आरसीबी की जर्सी की जगह पर टेस्ट वाली सफेद जर्सी में नजर आयेंगे। इसका कारण हाल ही में टेस्ट से संन्यास लेने वाले विराट के प्रति विशेष सम्मान व्यक्त करना है। प्रशंसक अपने पसंदीदा क्रिकेटर के लिए कुछ यादगार पल बनाना चाहते हैं।

आईपीएल के बचे मैचों में विराट को कप्तान बनाना चाहती है आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली कप्तानी एक बार फिर कप्तानी संभाल सकते हैं। पाटीदार को पिछले मैच में चोट लग गयी थी जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहती है जिसे अनुभव हो और इसमें विराट से बेहतर कोई नहीं है। विराट ने लंबे समय तक टीम की कप्तानी की है। 17 मई से फिर शुरु हो रहे सत्र में विदेशी खिलाड़ी भी नहीं रहेंगे। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन चाहता है कि ऐसे व्यक्ति कप्तान बने जिससे टीम के प्रदर्शन में कोई फर्क ना पड़े। आईपीएल के इस सत्र में अब तक आरसीबी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह प्लेऑफ की दौड़ में शामिल है।

टीम अपने पहले खिताब की ओर बढ़ रही है। इसी कारण टीम प्रबंधन के लोग चाहते हैं कि विराट कप्तानी के लिए मान जाएं हालांकि इसकी संभावना कम ही है। विराट ने एक दिन पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी जबकि उन्हें टीम की कप्तानी संभालने कहा गया था। आरसीबी ने आईपीएल में अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 11 मैचों में आठ जीत के साथ ही 16 अंक अंक तालिका किये हैं और वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है।

आरसीबी के पास कप्तानी के लिए अन्य विकल्प के तौर पर कुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं। टीम के लिए अब लीग के बचे हुए मुकाबले आसान नहीं होंगे क्योंकि बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। इसके अलावा, जोश हेज़लवुड, फिल साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन जैसे विदेशी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण अगले मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। इसके बाद भी आरसीबी प्लेऑफ़ के लिए एक मजबूत दावेदार बनी रहेगी।

शमी बोले अभी संन्यास का इराद नहीं, अफवाह फैलाने वालों पर भड़के

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। शमी ने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया है जो उनके संन्यास की बातें कर रहे हैं। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही शमी के संन्यास को लेकर भी काफी अटकलें तेज हो रही हैं। शमी ने सोशल मीडिया में स्क्रीनशॉट साझा करते हुए संन्यास की खबरों को खारिज कर दिया है। शमी ने लिखा, बहुत अच्छा महाराज, अपने काम के दिन भी गिन लो, विदाई का कितना है बाद में देख लो।

30 हजार की सब्सिडी के लिए 3 वर्षों से भटक रहा मछवारा

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। आज से करीब 3 वर्ष पूर्व मध्य प्रदेश शासन द्वारा मत्स्य विभाग के माध्यम से मछुवारो के लिए एक योजना चलाई गई थी। जिसमें चिन्हित मछुवारों को मोटरसाइकिल खरीदी पर 30,000 रु की सब्सिडी देने की योजना थी। जहां इस योजना के तहत मोटरसाइकिल खरीदने वाले सभी मछुवारों को 30,000 रु की सब्सिडी मिल गई, लेकिन इसी योजना में शामिल हुए खैरलांजी के ग्राम सावरगांव निवासी चंदूलाल उपवंशी को आज तक शासन से सब्सिडी की राशि प्राप्त नहीं हुई है। जो इस राशि को प्राप्त करने के लिए पिछले 3 वर्षों से शासकीय कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर है।बावजूद इसके भी उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए हितग्राही मछुवारे चंदूलाल उपवंशी ने अपने साथियों के साथ कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपते हुए पिछले तीन वर्षों से रुकी हुई करीब 30,000 रु की सब्सिडी दिए जाने की मांग की है।

3 वर्षो से काट रहा हु चक्कर,सब्सिडी की जगह मिलता है आश्वासन-उपवंशी

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान हितग्राही श्री उपवंशी ने बताया कि उन्हें योजना में शामिल करने के लिए मत्स्य विभाग द्वारा दबाव डालकर पहले किस्त पर मोटरसाइकिल खरीदने कहा गया था। पैसे की व्यवस्था न होने पर उन्होंने लोगों से ब्याज पर पैसा लेकर किस्तों में मोटरसाइकिल खरीदी थी। मोटरसाइकिल खरीदने के उपरांत उन्होंने मोटरसाइकिल की सारी किस्त जमा कर दी है। वहीं लोगों से ब्याज पर लिया गया कर्ज भी उन्होंने अदा कर दिया है।बावजूद उन्हें इस योजना के तहत मिलने वाली 30,000रु की सब्सिडी का लाभ अब तक नहीं मिल पाया है।सब्सिडी का लाभ न मिलने के चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वे सब्सिडी के लाभ के लिए पिछले तीन वर्षों से विभागों के चक्कर काट रहे हैं,अधिकारियों से कई बार मुलाकत कर चुके है।यह तक कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी उन्होंने शिकायत की है बावजूद उसके भी उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

ग्राम मंडवा में चौथा बोरीबन्धान, 70 बोरियों से किया बंधान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अलग-अलग गतिविधिया क्रियान्वित की जा रही है। ग्राम मंडवा में जन अभियान अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रसफुटन समिति के प्रयास व ग्रामवासियों के सहयोग से बुधवार को चौथी 70 बोरियो का बोरी बँधान किया गया। इस बोरी बँधान से जंहा मवेशियों पक्षियों को पीने के लिए पानी मिल सकेगा वंही ग्राम में जल स्तर बढ़ने से ग्राम के जल स्रोतों में पानी बढ़ेगा। इसके अलावा आज सहयोगी ग्राम वासियो को पानी की सदुपयोग व संरक्षण की जानकारी के साथ शपथ दिलवाई गई। जल संरक्षण के इस श्रमदान कार्य से जंहा जनजागरूकता बढ़ रही है। इस श्रमदान कार्य में विकासखंड समन्वयक महेश पटले समिति के अध्यक्ष संतोष मेरावी व सीएमसीएलडीपी छात्र मेंटर उपस्थित रहे।

भरवेली में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ग्रामीण बौद्ध संघ भरवेली द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन किए गए। जहां सुबह 9 बजे सामूहिक भोजन दान, 10 बजे परित्राण पाठ संपन्न किया गया। तो वही शाम 5 बजे अंबेडकर भवन भरवेली से नगर भ्रमण के लिए भगवान बुद्ध की विशाल झांकी निकाली गई। जो अंबेडकर भवन से मेन रोड होते हुए भरवेली थाने तक गई। वही वापसी मेन रोड होते हुए रमाई परिसर भरवेली में समाप्त हुई। झांकी के पश्चात रात 8 बजे बच्चों द्वारा शानदार बुद्ध भीम गीतों की प्रस्तुति दी गई। उसके पश्चात कक्षा पांचवी से कक्षा 12वीं तक अच्छे अंकों के साथ परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को ग्रामीण बौद्ध संघ भरवेली द्वारा सम्मानित किया गया।उसके पश्चात मंचीय व सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन किए गए। जिसमें सामाजिक बच्चो ने एक से बढ़कर एक नृत्य एवं भीम गीत पेश किए। अंत में सामूहिक भोज का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में नरेंद्र फूलोंके, केवलदास वासनिक, देवानंद उके, श्याम ठवरे, तुलसीदास मेश्राम ,संत कुमार वासनिक, मिलिंद भालेकर, प्रमोद मेंश्राम, प्रशांत डोंगरे, आदर्श रामटेके, प्रतीक, कमला नंदा गौली ,अनीता वाहने, दुर्गा मेश्राम, कल्पना वासनिक, रेवती डोंगरे ,ममता फूलोंके, सुनीता भलावी सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महार बौद्ध समाज जिला बालाघाट की बैठक संपन्न

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। महार-बौद्ध समाज जिला बालाघाट की महत्वपूर्ण बैठक नगर के सर्किट हाऊस में आयोजित की गई।प्रांतीय संयोंजक सुनील मेश्राम और संविधान फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष प्रवीण मेश्राम की गरीमामयी उपस्थिति में आयोजित बैठक के दौरान विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा कर समाज हित में कई फैसले लिए गए ।तो वहीं बैठक के दौरान डॉ बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा महार समाज के उद्धार के लिए बंबई में ली गयी प्रथम मीटिंग का स्मरण करतें हुये प्रथम जिला संयोंजक वासना मेश्राम को भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गयी।वही बैठक में उपस्थित जिला सचिव अरुण गोंडाने का, डॉक्टरेट की उपाधी से नवाजे जाने पर पुष्प गुलदस्ते द्वारा स्वागत एवं सम्मानित किया गया।

आयोजित इस बैठक के दौरान सर्वसम्मति से लिए गये महत्वपूर्ण निर्णयों में शूरवीर महारों की जनवरी में शौर्य दिवस के अवसर पर शौर्य गाथाओं को समझाने हेतु जिला सम्मेलन आयोजित किये जाने, महार जातियों में शादियों के नाम पर अनावश्यक किये जाने वाले व्यय को सीमित करने, ऑम्बेडकर चौक पर डॉक्टर बाबा साहेब आम्बेडर जी की आदमकद प्रतिमा स्थापित किये जाने, चौक में गोंदिया रोड़ पर आंबेडकर द्वार बनाये जाने, तथा वर्तमान की शिक्षा एवं शिक्षण पर दूरगामी योजनाओं के निर्माण हेतु कार्यकम नियोजित करने के प्रस्ताव पारित किये गये।वही महार जाति के युवाओं का वैवाहिक परिचय सम्मेलन किये जाने एवं महार सामाजिक प्रतिभाओं का सम्मान किये जाने पर भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।आयोजित बैठक के दौरान जिला महासचिव पी. एल. उके, जिला उपसंयोंजक के. एल. धाकड़े और ओंकार गेडाम, जिला सचिव मनोहर बसोंड और डॉ. अरुण गोंडाने, तहसील और ब्लाक संयोंजक गिरधारी टेंभुरने एवं मनोज वाघमारे, प्रमोद घोड़ेश्वार, विनेश डोंगरे, सहित अन्य उपस्थित रहे जहां मनोहर बंसोंड, रमेश मेश्राम, गिरधारी टेंभुरने, डॉ. अरुण गोंडाने को पंजीयन हेतु नियुक्त किया गया।

बैशाख पौर्णिमा पर प्रकृति शक्ति फड़ापेन महागोंगो पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। जय बड़ादेव गोंडवाना आदिवासी विकास समिति द्वारा भरवेली में बैशाख पौर्णिमा के शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रकृति शक्ति फड़ापेन महागोंगो पाबून का आयोजन किया गया। गोंडवाना भू भाग आदिवासी समुदाय के इस पावन दिन पर समाजिक बन्धुओ का जनसैलाब उमड़ पड़ा। फड़ापेन गोगो ठाना सिवनी कैंप भरवेली में आयोजित जहां कार्यक्रम सुबह से लेकर देर रात तक चला।जहा दो चरणों में कार्यक्रम संपन्न कराए गए। जहां प्रथम चरण में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात प्रात: 8 बजे प्रकृति शक्ति फड़ापेन गोंगो (पूजा) के साथ की गई, तत्पश्चात प्रात: 10 बजे सप्तरंगी पुनेम ध्वजा रोहण किया गया। इसके पश्चात दूसरे चरण में संध्या 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक गोंडी पुनेम विषयों पर प्रबोधन संपन्न कराए गए जिसमें प्रबुद्धजनों के द्वारा सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, व आर्थिक विषयो पर अपने-अपने विचार व्यक्त कर समाज संगठन को मजबूत बनाकर हर किसी को साथ लेकर सामाजिक उत्थान किए जाने की बात कही गई।जहां येरूंग रकुम गोंडी पुनेमी झंडा गोगो कार्यक्रम के तरह जिसमें सामाजिक बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति थी ।जिन्होंने गोंडी भाषा गीतों में नृत्य प्रस्तुत कर जमकर तालियां बटोरी। तो वही देर रात सामूहिक भोज का आयोजन कार्यक्रम का समापन किया गया।इस दौरान तपेश पन्द्रे,परसराम इडपांचे, संजू सैय्याम, रमा टेकाम, अमर सिंह मर्सकोले, हरिकिशन धुर्वे, सत्येंद्र इनवाती सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मंडवा में 70 बोरियों का बोरी बंधान कर जल संरक्षण किया गया

उकवा(पदमेश न्यूज़)। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अलग अलग तरह की गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत आज सुदूर अंचल दक्षिण बैहर के ग्राम मंडवा में जन अभियान अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रसफुटन समिति के प्रयास से व ग्रामवासियों के सहयोग से यह चौथा बोरी बँधान है 70 बोरियो का बोरी बँधान कर जल संरक्षण किया गया इस बोरी बँधान से जंहा मवेशियों पक्षियों को पीने के लिए पानी मिल सकेगा वंही ग्राम में जल स्तर बढ़ने से ग्राम के जल स्त्रोतों में पानी बढ़ेगा इसके अलावा आज सहयोगी ग्राम वासियो को पानी की सदुपयोग व संरक्षण की जानकारी दे शपथ दिलवाई गई जल संरक्षण के इस श्रमदान कार्य से जंहा जनजागरूकता बढ़ रही है वंही जल स्त्रोतो के रख रखाव में आम जन रुचि लेंगे आज के इस श्रमदान कार्य मे विकासखंड समन्वयक महेश पटले समिति के अध्यक्ष संतोष मेरावी व सी एम सी एल डी पी मेंटर सुरेश यादव, शिवनंदन यादव, कुंदन मरावी, ज्योति बिसेन, उमेश्वरी राहंगडाले, समाज सेवी उकवा संदीप गजभिये, छात्र अभय यादव, अविका यादव, ज्योति कुर्वेती, मोनिका ठाकरे, विमल भावे, पीहू हरिद्वार आदि उपस्थित रहे।

14 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बिहार-छत्तीसगढ़ सहित 14 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। गुजरात, असम सहित 9 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं, झारखंड और उत्तर प्रदेश में फिर गर्मी बढ़ सकती है और उमस बढ़ने की संभावना है।

राजस्थान के 11 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इधर, मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि देश की लाइफलाइन दक्षिण-पश्चिम मानसून ने निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दे दी है। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मानसून इस साल नौ दिन पहले आया है।

मौसम विभाग ने कहा कि अंडमान सागर के ऊपर चक्रवात जैसी स्थिति बन रही है।

परसवाड़ा पुलिस ने 6 जुआरियों को किया गिरफ्तार

परसवाड़ा(पदमेश न्यूज़)। पुलिस के मुताबिक 13 एवं 14 मई की दरमियांनी रात सूचना मिली कि ग्राम शेरपार में आरोपी इत्तु यादव के घर के पीछे परछी में जुआ खेला जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी और6 आरोपियों को रंगे हाथों जुआ खेलते गिरफ्तार किया। जिनके पास से तास के 52 पत्तों की गड्डी,3 मोटरसाइकिल और जुआरियों के पास से 5 मोबाइल फोन एवं नगदी सहित कुल 1,55,800 रूपये जप्त किये।सभी गिरफ्तार जुआरियों जिनमे इत्तु यादव 35 वर्ष निवासी ग्राम शेरपार,रोहित ठाकरे 34 वर्ष निवासी ग्राम शेरपार,अर्जुन पटले 23 वर्ष निवासी लामता,मो. सलीम 53 वर्ष निवासी ग्राम शेरपार,आशीष चावले 47 वर्ष निवासी परसवाड़ा,तुषार जैसवाल 24 वर्ष निवासी परसवाड़ा के विरुद्ध थाना में धारा 13 जुआ एक्ट एवं 112 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर सभी जुआरियों को बैहर की माननीय न्यायालय में पेश किया गया।इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मदन इवने , सउनि. सुरेश राजपूत, आरक्षक रंजीत, आरक्षक नितिन, आरक्षक296 संदीप, आरक्षक ब्रजकिशोर, आरक्षक संजय एवं महिला आरक्षक शशिकला की सराहनीय भूमिका रही।

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत

भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई घटना, प्रेमिका मुस्कान के साथ भटेरा चौकी में रहता था त्रिदेव

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। नगर समीप भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग से महज100 मीटर दूर वारासिवनी रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई । 13 मई की रात 11:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह ट्रेन कटंगी से बालाघाट की ओर आ रही थी। मृतक युवक त्रिदेव पिता संतोष ठाकरे 24 वर्ष ग्राम मड़कापार थाना हट्टा निवासी बताया गया है ।14 मई को कोतवाली पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस युवक ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की या अन्य वजह से उसकी मौत हुई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। आगे जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है।

माता-पिता का इकलौता बेटा था त्रिदेव ठाकरे

प्राप्त जानकारी के अनुसार त्रिदेव ठाकरे मूल रूप से ग्राम मड़कापार थाना हट्टा निवासी है। जिसके परिवार में माता-पिता और उसकी दो बड़ी बहनें हैं। दोनों बहनों की शादी हो चुकी है। त्रिदेव ठाकरे अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था जो कक्षा 12वीं के साथ ही स्टेनो और डीसीए कर चुका था। ग्राम मड़कापार हट्टा में ही मुस्कान ब्रम्हे में अपने परिवार के साथ रहती थी वह भी कक्षा 12वीं के बाद बालाघाट के कॉलेज से बी ए कर रही थी।

प्रेमिका मुस्कान के साथ भटेरा चौकी में रहता था त्रिदेव

बताया गया की सन 2021 से त्रिदेव और मुस्कान के बीच प्रेम संबंध चल रहा था और इस प्रेम संबंध के चलते दोनों शादी करके एक साथ रहना चाहते थे । किंतु परिवार के लोग इसके लिए मंजूर नहीं थे और प्रेम संबंध के चलते त्रिदेव ठाकरे मुस्कान ब्रम्हे अपने परिवार वालो को बताये बिना बालाघाट के भटेरा चौकी में किराए के मकान में रह रहे थे और दोनों ने शादी कर ली थी। त्रिदेव ठाकरे गुजरी चौक में खान हॉस्पिटल के बाजू स्थित एक किराना दुकान में काम करने जाता था वही मुस्कान किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करती थी।

शराब पीने को लेकर विवाद होते रहता था पति-पत्नी के बीच

बताया गया है कि त्रिदेव ठाकरे को शराब पीने की लत लग गई थी और शराब को लेकर ही मुस्कान और त्रिदेव ठाकरे के बीच विवाद होते रहता था। पिछले तीन दिन से त्रिदेव ठाकरे काम पर नहीं जा रहा था। 13 मई की रात्रि में त्रिदेव ठाकरे शराब पीकर के आया था। पत्नी मुस्कान के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ उसके बाद त्रिदेव ठाकरे कमरे से निकल गया था।

अचानक ट्रेन के सामने आया युवक कटने से हो गई मौत

रात्रि 11बजे करीब भटेरा चौकी रेल्वे क्रॉसिंग से महज 100 मी दूर वारासिवनी रेलवे लाइन पर कटंगी से बालाघाट आ रही ट्रेन के सामने अचानक एक युवक ट्रेन के सामने पहिये के नीचे आने से ट्रेन रोक दी गई थी। ट्रेन के कर्मचारियों ने देखें ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक का सर धड़ और हाथ अलग हो चुके थे। ट्रेन करीब 20 से 25 मिनट रुकी रही। इसके बाद ट्रेन चालक ने रेलवे क्रॉसिंग के नाके के कर्मचारी को एक युवक के ट्रेन से कटने की सूचना दी। इस दौरान वहां पर काफी भीड़ लग चुकी थी। किसी लड़की ने इस युवक को पहचानी यह युवक त्रिदेव ठाकरे था जो भटेरा चौकी में अपनी पत्नी मुस्कान के साथ किराए से रहने वाला था।

खबर मिलते ही मुस्कान पहुंची, देखी अपने पति की कटी हुई लाश

त्रिदेव ठाकरे की ट्रेन से कटने से मौत होने की खबर मुस्कान को मिलने पर वह तुरंत मौके पर पहुंची उसने वहां अपने पति त्रिदेव की ट्रेन से कटी हुई लाश देखी। इस दौरान वहां काफी भीड़ लग चुकी थी। पूछताछ करने पर मुस्कान ने मृतक को अपना पति त्रिदेव ठाकरे बताई और उसने कुछ लोगों के साथ कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट की थी। कोतवाली पुलिस ने भटेरा रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंचकर मृतक इस युवक का शव जिसके सिर गर्दन हाथ अलग हो चुका था उसे समेट कर जिला अस्पताल लाये और यहा के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए। मुस्कान ने रात्रि में ही इस घटना की सूचना त्रिदेव ठाकरे के पिता जो इस समय तेंदूपत्ता सीजन में बिलासपुर में थे उसे बताई और अपने पिता राजू राजू ब्रम्हे को घटना के संबंध में बताई।

कोतवाली पुलिस ने त्रिदेव का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सोपे

14 मई को सुबह ग्राम मड़कापार हट्टा से त्रिदेव ठाकरे और मुस्कान के परिवार के लोग पहुंचे। कोतवाली के सहायक उप निरीक्षक रमेश तिवारी ने मुस्कान की उपस्थिति में त्रिदेव ठाकरे का शव पंचनामा कार्यवाही करने के पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर त्रिदेव ठाकरे का शव उनके परिजन के सुपुर्द कर दिये ।अभी यह पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है कि त्रिदेव ठाकरे ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की या फिर महज एक हादसा के तहत त्रिदेव के ट्रेन से कटने से मौत हो गई।

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी और गार्ड के घर हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

तीन आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बीते दिनों गुरुद्वारा के समीप ट्रांसपोर्ट व्यवसायी और उनके गार्ड के कमरे से अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन दिनों में चोरी का खुलासा कर दिया है । पुलिस द्वारा बताया गया कि सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और मुखबिर की सूचना से उन्होंने शहर के दो अलग-अलग क्षेत्र से अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चोरी किया हुआ सामान सहित सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी जप्त हुआ है। बता दे कि गत 11 मई को नगर के धर्मकांटा मार्ग में गुरुद्वारा के समीप निवासरत ट्रांसपोर्ट व्यवसायी अमरपालसिंह गांधी और उनके गार्ड दीपक सोनवाने के घर में हुई चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। तीन दिन बाद 14 मई को पुलिस ने चोरी और आरोपियों की जानकारी मीडिया से साझा की। कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने बताया कि सीसीटीव्ही फुटेज और विश्वसनीय मुखबिर की सूचना पर संदेही 19 वर्षीय रेहान खान उर्फ लोमड़ी पिता आबिद खान को पकड़ा गया। जिसने पूछताछ में बताया कि उसने अपने अन्य दो साथियों 25 वर्षीय पंकज पिता सुनील पटले और 20 वर्षीय जोहेब शेख उर्फ जग्गु पिता शेख जाकिर के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। जिनके पास से चोरी का सामान में चोरी किया गया सीसीटीव्ही का डीवीआर, चांदी और सोने के जेवरात सहित नगद रूपए बरामद किए गए है। उन्होंने बताया कि इसी मामले में एक अन्य संदेही 23 वर्षीय युवक सचिन उर्फ अंडा पिता अशोक चौहान से पूछताछ की जा रही है। जिससे और जानकारी मिल सकती है। आपको बताते चले कि इन चोरो ने घटना को उस वक्त अंजाम दिया था। जब ट्रांसपोर्ट व्यवसायी अमरपालसिंह गांधी और उसका गार्ड दीपक सोनवाने घर से बाहर थे। घटना के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएसपी

वैशाली कराहलिया, थाना प्रभारी विजय राजपूत ने घटनास्थल का निरीक्षण किया था और जांच में डॉग स्कॉड की भी मदद ली थी। जिसके बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची और चोरी का माल बरामद करने के साथ ही आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भिजवा दिया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विजय राजपूत, उपनिरीक्षक नवीन पांडेय, प्रदीपसिंह बघेल, प्रधान आरक्षक राहुल गौतम, गजेन्द्र माटे, आरक्षक शेख शहजाद, प्रियांक श्रीवास, हेमंत बसेने, अवधेश बघेल, सायबर सेल प्रआर. शोभेन्द्र डहरवाल, आर. जय भगत, प्रआ. नंदकिशोर टेकाम की भूमिका रही।

वसूली को लेकर सीईओ सख्त

तीन संस्था प्रबंधकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना एवं बैंक प्रशासक के मार्गदर्शन में कल जिला मुख्यालय से वीसी का आयोजन किया गया। आयोजित वीसी में सीईओ पी. जोशी ने वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया। इस दौरान समीक्षा में पाया गया कि समिति महकेपार, समिति बिनोरा और समिति चिखला के संस्था प्रबंधकों द्वारा वसूली को लेकर मुख्यालय के निर्देशों का पालन नहीं किया गया और नगण्य वसूली पाई गई ।जिस पर सीईओ जोशी ने कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश

दिए है ।उन्होंने समितियों को दिए गए वसूली के लक्ष्य की पूर्ति निर्धारित समयावधि में करने और प्रतिदिन शाखा स्तर पर समीक्षा करते हुए मुख्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने प्रति समिति 15 नए केसीसी जारी करने, पैक्स कम्प्यूटराईजेशन, अकृषि मध्यमकालीन और दीर्घकालीन ऋण की मांग वसूली और ईआरपी में डाटा प्रविष्टि की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एमएल यादव, राजेश नगपुरे, रौनक चौकसे व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

जमीन बेचना है

प्रस्तावित लवादा-समानापुर-लामता फोरलेन मार्ग के समीप ग्राम रटेगांव कोसमी (खमरिया) में स्थित प.ह.नं. 34 खसरा नं. 45 तथा 46/1, 13 एकड़ सिंचित भूमि (भूमि पर कार द्वारा पहुंचा जा सकता है)

विक्रय करना है

संपर्क करें- 7879121671

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट